KHAN G.S. RESEARCH CENTRE Kisan Cold Storage Campus, Mussallahpur, Patna-6 KHAN SIR

KHAN GS RESEARCH CENTRE

Kisan Cold Storage, Campus, Mussallahpur,Patna - 06

Mob. : 8877918018, 8757354880

मध्यकालीन भारत का इतिहास

For : UPSC,BPSC,JPSC,UPPCS,CDPO, CDS, CAPF, CET, SSC, RLY, NDA, BSSC, बिहार दारोगा etc.

With Onliner Question

- विजयनगर साम्राज्य
- भक्ति आंदोलन
- मुगल वंश

By : Khan Sir

(मानचित्र विशेषज्ञ)

विजयनगर साम्राज्य Vijaynagar Empire

- विजयनगर साम्राज्य की स्थापना **1336** ई॰ में **हरिहर एवं बुक्का नामक** दो भाइयों ने किया। इन दोनों को **M.B.T.** ने इस्लाम धर्म कबूल करवाया था और दक्षिण भारत को मिलने के लिए भेजा। जहाँ इनकी मुलाकात इनके **गुरु विद्यारण्य** से हुई। जिन्होंने इनकी सुहि करायी अर्थात वापस हिन्दू धर्म में लाया।
- इन्होंने दक्षिण भारत के क्षेत्र को जीतकर विजयनगर साम्राज्य की स्थापना किया और अपने पिता सेवम के नाम पर संगम वंश की स्थापना किया और **हम्पी (कनार्टक)** को अपनी राजधानी बनाया।

संगम वंश

- इस वंश का प्रथम शासक **हरिहर-I** था। इसके दरबार में **सायान** नामक विद्वान रहते थे जिन्होंने वेदों पर टिका (Command) लिखा।

हरिहर प्रथम → बुक्का प्रथम → हरिहर द्वितीय → देवराय प्रथम → देवराय द्वितीय → प्रौढ़ राय

- **हरिहर-I** के बाद इसका छोटा भाई **बुक्का-I** शासक बना। इसने वेदमार्ग प्रतिष्ठापक की उपाधी धारण किया। इसके समय कृष्ण एवं तुंगभद्रा नदी के बिच के **रायचूर** दोआब पर अधिकार के लिए बहमनी साम्राज्य से युद्ध प्रारम्भ हो गया। यह युद्ध 200 वर्षों तक चला और अन्तत: सफलता विजयनगर साम्राज्य को ही मिला।
- इसके समक्ष बहमनी शासक **मुहम्मद-I** ने आक्रमण किया। इस आक्रमण में **बुक्का-I** पराजित हुआ।
- **देव राय-I :-** इसने अपने सेना में तुर्क धनुर्धर को शामिल किया। इसने तुंगभद्रा नदी पर नहर बनाया ताकि सिंचाई हो सके। इसके समय बहमनी शासक **फिरोजशाह बहमन** ने आक्रमण किया। इसने **देवराय-I को पराजित** कर दिया। किन्तु दोनों के बीच वैवाहिक सम्बन्ध स्थापित हो गया।
- देवराय-I ने अपनी सेना में **मुस्लिमों को भी** रखना प्रारम्भ किया इसके समय इटली यात्री **निकोलो-डी-काण्टी** भारत आया।
- इसके बाद अगला शासक देवराय-II बना।
- **देव राय-II :-** इसके समय में संगम वंश का **सर्वाधिक विकास हुआ**। यह संगम वंश का सबसे **प्रतापी शासक** था। इसने **श्रीलंका** अभियान किया। इस प्रकार श्रीलंका अभियान करने वाला देवराय-II तीसरा शासक बन गया। [पहला राजाराज, दूसरा राजेन्द्र-I] वह अपनी सिंहासन के बगल में कुरान रखता था। देवराय-II को हाथी मारने का शौक था अत: इसे **गजवेदका** कहा जाता है।
- इसी के दरबार में अब्दुर **रज्जाक** आया था। जिसका यात्रा विवरण मतला-ए-साहेन है। जो फारसी भाषा में लिखा गया। इस पुस्तक से विजयनगर का प्रशासनिक जानकारी मिलती है। इसी में लिखा है कि विजयनगर साम्राज्य में 300 बन्दरगाह थे।
- **मल्किकार्जुन :-** इसके समय संगम वंश का **पतन प्रारम्भ** हो गया। इसे **प्रौढ़ देवराय** कहा जाता है।
- संगम वंश का अंतिम शासक **वीरूपाक्ष-II** था जिसकी हत्या **सालुव नरसिंह** ने कर दिया और संगम वंश के स्थान पर सालुव वंश की स्थापना कर दिया।
- इस घटना की विजयनगर साम्राज्य के इतिहास में **प्रथम बलाहार** की घटना कहते हैं।

Note :- विजयनगर साम्राज्य पर 4 वंशों ने शासन किया।

Trick :- संगम सतुआ

संगम वंश → सालुव वंश → तुलुव वंश → आरविडु वंश

सालुव वंश

- इस वंश का संस्थापक सालुव नरसिंह था। इस वंश का अंतिम शासक **इम्माडि नरसिंह** था जिसकी हत्या **वीर नरसिंह** ने कर दिया और **सालुव वंश** के स्थान पर तुलुव वंश की स्थापना कर दिया।
- इस घटना को विजयनगर साम्राज्य के इतिहास में द्वितीय बलाहार की घटना कहते हैं।

तुलुव वंश

- इसके संस्थापक **वीर नरसिंह** थे। जिसका पुर्तगाली गवर्नर अल्मोडा से अच्छा से सम्बन्ध था। इसने 1505 ई. में अल्मोडा के साथ घोड़े के लिए व्यापारिक संधि किया था।
- 1509 ई. में वीर नरसिंह की मृत्यु हो गयी और अगला शासक कृष्णदेव राय बना [KDR]

- **कृष्णदेव राय :-** यह तुलुव वंश का सबसे प्रतापी शासक था। इसने रायचूर दोआब पर अधिकार कर लिया।
- इस उपलक्ष्य में उसने **आन्ध्र भोज, आन्ध्र पितामह** तथा **अभिनव भोज** की उपाधि धारण किया। इसने यमन राजा से स्थापनाचार्य की भी उपाधि धारण किया। यह एक विद्वान शासक था, जिसने **आमुक्त माल्याद** नामक पुस्तक की रचना किया। यह पुस्तक तेलुगू भाषा में था। इसने संस्कृत भाषा में **जामवति कल्यानम्** नामक पुस्तक का रचना किया।

- आमुक्त माल्याद पुस्तक से विजयनगर के इतिहास का पता चलता है।
- बाबर ने अपनी आत्मकथा (तुजूक-ए-बाबरी) में लिखा है कि दक्षिण भारत का सबसे शक्तिशाली शासक उस समय कृष्णदेव राय थे।
- कृष्णदेव राय ने **नागलपुर** शहर की स्थापना किया और वहां **बिट्ठल स्वामी मन्दिर** तथा **हजारा मन्दिर** का निर्माण किया।
- इसके समय इटली यात्री **डोमिगी पायस** आया था तथा पुर्तगाली यात्री **बारबोसा** आया था।
- इनका पुर्तगाली गर्वनर **अल्बुकर्क** के साथ अच्छा सम्बंध था।
- इसके दरबार में तेलगु भाषा के 8 प्रमुख विद्वान रहते थे जिन्हें संयुक्त रूप से **अष्ट्दिग्गज** कहते थे। इस अष्ट्दिग्गज में सबसे प्रमुख अल्सी पेडन्ना थे जिन्हें तेलुगू भाषा का पितामह कहा जाता है। इन्होंने हरिकथा तथा मनुचरित नामक पुस्तक की रचना किया। इनके शासनकाल को तेलुगू साहित्य का स्वर्णकाल कहा जाता है।
- अष्ट्दिग्गज में दूसरे स्थान पर तेनालीराम थे जिनकी रचना पाण्डुरंग महामात्य है। यह मंत्री के पद पर भी थे और इन्होंने अन्धविश्वास से जनता को दूर किया।

- इनके दरबार में **लक्ष्मीधर** नामक संगीतकार रहता था। जिन्होंने संगीत सूर्योदय नामक ग्रंथ लिखा।
- कृष्णदेव राय 1510 ई. में बीदर के शासक महमूद शाह को पराजित किया।
- इन्होंने 1512 ई. में रायचूर दोआब तथा गुलबर्गा के दुर्गों को भी जीत लिया। इन्होंने उड़ीसा के साथ-साथ प्रताप रूद्र देव से संधि कर उसकी पुत्री से विवाह किया।
- 1520 ई. में कृष्णदेवराय ने गोलकुंडा को हराकर वारंगल पर अधिकार कर लिया।
- मात्र 10 वर्षों में ही कृष्णदेव राय ने अपने सभी विरोधियों को पराजित कर दक्षिण भारत में स्वयं एवं विजयनगर की प्रभुत्व स्थापित किया।
- 1529 ई. में कृष्णदेव राय की मृत्यु हो गयी और अगला शासक **अच्युतदेव राय** बना। इसके समय पुर्तगाली यात्री **नुनीज** भारत आया। इसने प्रान्तों पर नियन्त्रण रखने के लिए **महामण्डलेश्वर नामक पद** बनाया। इसके समय से ही इस वंश का बिखराव शुरु हो गया।
- इस वंश का **अंतिम शासक सदाशिव राव** था। इसका सेनापति रामराय था। रामराय ने शासन की सारी शक्ति अपने हाथ में ले लिया।
- वह एक साम्राज्यवादी सेनापति था जिसने बहमनी साम्राज्य के पांच राज्य [विजापुर, गोलकुण्डा, वरार, बिदर, अहमदनगर] में फूट डालने की कोशिश किया किन्तु इसके विपरित परिणाम हुआ।
- बहमनी साम्राज्य के पांच राज्य में से वरार को छोड़कर शेष चारों ने मिलकर 1565 में विजयनगर पर हमला कर दिया। इस युद्ध को तालिकोटा का युद्ध कहा जाता है।
- इस युद्ध ने विजयनगर साम्राज्य का अन्त कर दिया। युद्ध के मैदान में रामराय मारा गया।
- सदाशिवराय ने अपना अगला सेनापति तिरुमल को बनाया। तीरुमल ने सदाशिवराय की हत्या कर दी और एक नया वंश आरविडू वंश की स्थापना हुई।

आरविडू वंश

- इस वंश के संस्थापक तिरुमल थे। यह वंश अधिक दिन तक शासन नहीं कर सका और इस वंश का अंतिम शासक रंगा-III को पराजित करके शिवाजी ने उसके क्षेत्र को मराठा साम्राज्य में मिला लिया।
- विजयनगर साम्राज्य को तेलगु भाषा का स्वर्णकाल कहा जाता है।

विजयनगर की प्रशासनिक व्यवस्था

- विजयनगर की प्रशासनिक व्यवस्था की जानकारी कृष्णदेव राय की रचना आमुक्त माल्याद तथा अब्दुर रज्जाक की रचना में है।
- इस समय राजा अपने राज्याभिषेक के समय एक विशेष प्रकार का यज्ञ कराता था जिसे पटटाभिषेक यज्ञ कहते हैं।
- इसके समय पूरे साम्राज्य को इन नामों से जाने जाते थे।

केंद्र | Central
⇩
प्रांत (मंडल) | Province (Division)
⇩
जिला(कोट्टम/वलनाडू) | District (Kottam / Valnadu)
⇩
तहसील (मेलाग्राम) | Tehsil (Melagram)
⇩
ग्राम(ऊर) | Gram (oar)

- कृष्णदेव राय के समय प्रान्तों की **संख्या 6** थी।
- अच्युतदेव राय के समय प्रान्त का प्रशासन प्रान्तपति से लेकर **महभिण्डलेश्वर** नामक अधिकारी को दे दिया गया।
- कृष्णदेव राय ने **नायंगर व्यवस्था** लाया। इसके तहत अधिकारियों को नगद वेतन के स्थान पर भूमि दिया जाता था। यह गुप्तकालीन सामन्ती व्यवस्था तथा दिल्ली सल्तनत के इक्ता व्यवस्था के समान था।
- इस समय सैनिकों को दान में दी गयी भूमि को **अमर भूमि** कहा जाता था तथा इस भूमि को प्राप्त करने वाले को **अमरनायक** कहा जाता था। मन्दिर के दान में दी गयी भूमि को **देवभूमि** कहा जाता था।

- इस समय सैन्य विभाग को कदाचार कहा जाता था। भू-राजस्व को सिरत कहते थे और इस कर को वसूलने वाले अधिकारी को आथवन कहते थे। कर का मुख्य आधार कृषि था।
- इस समय चार प्रकार के भूमि का प्रचलन था।

  सिंचित भूमि :- यह सबसे उपजाऊ भूमि थी। यहां बिना किसी सिंचाई साधन के ही अच्छी फसल होती थी। इस पर सर्वाधिक Tax था।

  बगानी/बागाती भूमि :- इस भूमि पर बगानी फसल जैसे- मशाला की खेती होती थी। इस पर Tax सिंचित भूमि से कम था।

  उसर भूमि :- यह वैसी भूमि थी जिस पर प्रतिवर्ष कृषि नहीं होती थी। यह अधिकतर समय सूखा ग्रस्त रहता था। इस पर Tax कम था।

  जंगली या वनभूमि :- इस भूमि का अधिकतर भाग पर वन का विस्तार था। इस पर कृषि कार्य न के बराबर था। इस भूमि पर No tax था।
- इस समय दासों को खरीद बिक्री के लिए वेसबाग नामक बाजार होता था।
- विजयनगर की सर्वाधिक प्रसिद्ध सिक्का स्वर्ण का वराह था। जो 52 ग्रेन का होता था। इसे ही पैगोड़ा कहा जाता था।
- चांदी के छोटे सिक्के को तार कहा जाता था।
- हरिहर प्रथम के सिक्के को हनुमान एवं गरूड़ की आकृति अंकित थी।
- सदाशिव राय के सिक्के पर लक्ष्मीनारायण का अंकन होता था।
- पुर्तगालियों ने विजयनगर के सिक्कों की तुलना हूण से की है।
- इस समय महिलाओं की स्थिति काफी अच्छी थी।
- मनोरंजन के साधन के रूप में इस समय सतरंज का प्रचलन था।
- इस समय मन्दिर निर्माण के क्षेत्र में प्रवीण शैली का विकास अधिक हुआ।

विजयनगर काल में आये विदेशी यात्री

यात्री	देश	शासक
निकोलो डे काण्टी	इटली	देवराय I
अब्दुर रज्जाक	फारस	देवराय II
बार्थोमा	इटली	वीर नरसिंह
बारबोसा	पुर्त्तगाली	कृष्णदेव राय
डोमिगोपाएस	इटली	कृष्णदेव राय
नुनिज	पुर्त्तगाली	अच्चुतदेव राय

बहमनी साम्राज्य

- इस वंश की स्थापना 1347 ई. में मोहम्मद बिन तुगलक के समय हसन गंगु ने किया। इसका मूल नाम अलाउद्दीन बहमनी शाह था।
- हसन गंगू ने अपनी राजधानी गुलबर्गा को बनाया तथा इसका नाम अहसानाबाद रखा।
- बहमनी राज्य की भाषा मराठी थी तथा इनकी मुद्रा हूड थी। हसन गंगू के बाद मोहम्मद प्रथम शासक बना। इसने रायचूर पर अधिकार के लिए बुक्का-I से युद्ध किया और युद्ध में विजय रहा।
- इस वंश का अगला शासक फिरोजशाह बहमन बना। इसने भी रायचूर पर अधिकार कर लिया। विजयनगर शासक देवराय-I से युद्ध किया और युद्ध में विजयी रहा।
- इस वंश का अगला शासक सिहाबुद्दीन था। सिहाबुद्दीन ने राजधानी गुलबर्गा से बीदर लाया। इसे संत अहमद के नाम से जाना जाता है।
- इस वंश का अगला शासक अलाउद्दीन हूमायूँ बना। यह एक क्रूर शासक था। अत: इसे जालिम हूमायूं कहा जाता हे। इसके प्रधानमंत्री का नाम (वजीर) मोहम्मद गवां था। जो एक योग्य व्यक्ति थे। ये पत्रों का संग्रह करते थे। इनके पत्रों का संग्रह रियाजूल-इन्शा कहलाता है।
- इस वंश का अंतिम शासक कलिमुल्ला था।

BY KHAN SIR (मानचित्र विशेषज्ञ)

- इसी के समय बहमनी साम्राज्य पांच भागों में बंट गया- (1) बीजापुर, (2) अहमदनगर, (3) बरार, (4) गोलकुण्डा तथा (5) बीदर
- तालीकोटा का युद्ध में बहमनी वंश के चार राज्यों ने भाग लिया किन्तु बरार इसमें भाग नहीं लिया। इस युद्ध में विजय नगर सम्राज्य का अंत 1565 में हो गया।

राज्य	वंश	संस्थापक	वर्ष	क्षेत्र
1. बरार	इमादशाही वंश	फतेहउल्लाह ईमाद	1484	महाराष्ट्र
2. बीजापुर	आदिल शाही वंश	यूसूफ आदिल खान	1489	कर्नाटक
3. अहमदनगर	निजाम शाही वंश	मालिक अहमद	1490	महाराष्ट्रा
4. गोलकुण्डा	कुतुबशाही वंश	कुली कुतुबशाह	1512	तेलंगाना
5. बीदर	बरीदशाही वंश	अमीर अली बरीद	1526	कर्नाटक

स्मरणीय तथ्य

- हरिहर एवं बुक्का को विजयनगर साम्राज्य की स्थापना की प्रेरणा **गुरु विद्यारण्य** तथा वेदों के प्रसिद्ध भाष्यकार सायण से मिली।
- **हम्पी (हस्तिनावती)** जो कर्नाटक प्रांत में अवस्थित है, विजयनगर के प्राचीन राजधानी का प्रतिनिधित्व करता है।
- कृष्णदेव राय के अष्टदिग्गज तेलुगू कवियों में **पेड्डाना** सर्वप्रमुख था जो संस्कृत एवं तेलुगू दोनों भाषाओं का ज्ञाता था।
- पुर्तगाली यात्री **डोमिगो पायस** ने विजयनगर के नगरों एवं शासक की काफी प्रशंसा की है। उसके अनुसार **''कृष्णदेव राय एक महान शासक एवं न्याय प्रिय व्यक्ति था।''**
- देवराय द्वितीय साहित्य का महान संरक्षक था और स्वयं संस्कृत का एक प्रकांड विद्वान था उसने दो संस्कृत ग्रंथों **महानाटक सुधानिधि** एवं बादरायण के **'ब्रह्मसुत्र'** पर टीका की रचना की।
- फारसी यात्री 'अब्दुर्रज्जाक' भारत में देवराय द्वितीय के शासनकाल में आया था।
- 26 जनवरी, 1565 ई. में विजयनगर और दक्षिण की संयुक्त सेनाओं के बीच प्रसिद्ध तालीकोटा का युद्ध हुआ, इस युद्ध का प्रत्यक्षदर्शी **'सेवेल'** था।
- अच्युत देवराय ने नायकों की उस श्रृंखला को रोकने के लिये **महामण्डलेश्वर** नामक अधिकारियों की नियुक्ति की।
- विजयनगर साम्राज्य में **शिष्ट** नामक भूमिकर राजकीय आय का प्रमुख स्रोत था जबकि केंद्रीय राजस्व विभाग **अठावने** के नाम से जाना जाता था।
- विजयनगर साम्राज्य में चेट्टियों के समतुल्य व्यापार करने वाले तथा दस्तकार वर्ग के लोगों को **'वीर पंचाल'** कहा जाता था।
- इस समय खेत में लगे कृषक मजदूर को **'कुदि'** कहा जाता था, भूमि के क्रय-विक्रय के साथ कुदि का भी स्थानांतरण हो जाता था।
- गोलकुण्डा का युद्ध विजयनगर के राजा कृष्णदेव राय एवं कुली कुतुबशाह के बीच लड़ा गया।
- विजयनगर साम्राज्य में भू-राजस्व ही राजकीय आय का प्रमुख साधन था और यह (भू-राजस्व) वित्तीय व्यवस्था की मुख्य विशेषता थी।
- **भंडारवाद ग्राम** ऐसे ग्राम को कहा जाता था, जिनकी भूमि राज्य के प्रत्यक्ष नियंत्रण में थी। इन ग्रामों के किसान सीधे राज्य को कर देते थे।
- **अल्लासानी पेड्डाना,** कृष्णदेवराय के अष्टदिग्गज कवियों में सर्वप्रमुख थे, उन्होंने मनुकारिता की रचना की। उन्हें, 'आंध्र कविता का पितामह' भी कहा जाता है।
- कृष्णदेव राय ने तेलुगू में **अमुक्तमाल्यद** तथा संस्कृत में **जाम्बवती कल्याण** और **'उषा परिणय'** नामक ग्रंथ की रचना की।
- स्दाशिव राय के अभिलेखों से सूचना मिलती है कि उसने अपने शासनकाल में 'नाइयों' को व्यवसाय कर से मुक्त कर दिया था।
- विजयनगर काल में नायकों को **दंडनायक** कहा जाता था और अधिकांशत: वे ब्राह्मण होते थे। नायंगर व्यवस्था सबसे अधिक तमिलनाडु में प्रचलन में थी।

One liner Question :–

★ 1336 ई. में किसने स्वतंत्र विजयनगर साम्राज्य की स्थापना की **–हरिहर एवं बुक्का**

★ ईरानी राजदूत अब्दुर्रज्जाक ने 1443 ई. में किसके शासनकाल में विजयनगर की यात्रा की **–देवराय द्वितीय**

★ हजारास्वामी मंदिर का निर्माण विजयनगर साम्राज्य के किस शासक ने करवाया **–कृष्णदेव राय**

★ विजयनगर का वह पहला शासक जिसने बह्मनियों से गोवा को छीना **–हरिहर द्वितीय**

★ कृष्णदेवराय ने गोलकुंडा का युद्ध किसके साथ लड़ा था **–कूली कुतुबशाह**

★ कृष्णदेवराय के दरबार में अष्ट दिग्गज थे**–आँठ तेलुगु कवि**

★ कृष्णदेवराय ने स्थापना की थी **–नागलापुर नगर की**

★ वैदिक ग्रंथों के भाष्यकार सायण को संरक्षण प्राप्त था **– विजयनगर राजाओं का**

★ अब्दुर्रज्जाक ने विजयनगर की यात्रा की थी **–देवराय द्वितीय के राजकाल में**

★ 1565 में प्रसिद्ध युद्ध हुआ था **–तालीकोटा का युद्ध**

★ वह स्थान जहाँ के खंडहर विजयनगर की प्राचीन राजधानी का प्रतिनिधित्व करते हैं **–हम्पी**

★ विजय नगर साम्राज्य की स्थापना किसने की? **–हरिहर एवं बुक्का ने**

★ विजय नगर साम्राज्य का सबसे प्रभावशाली शासक कौन था? **–कृष्णदेव राय**

★ कृष्णदेव राय ने किसके साथ मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध रखे थे? **–पुर्तगालियों के**

★ विजयनगर किस नदी के तट पर स्थित है? **–तुंगभद्रा के**

★ बहमनी राजाओं की राजधानी थी? **–गुलबर्गा**

★ विजयनगर के महान् साम्राज्य के अवशेष कहाँ पाए जाते हैं? **–हम्पी में**

★ विजयनगर का प्रथम शासक कौन था जिसने पुर्तगालियों के साथ संधि की? **–कृष्णदेव राय**

★ कृष्णदेव राय किसके समकालीन थे? **–बाबर के**

★ हम्पी, तिरुवनमलै, चिदम्बरम्, श्रीरंगम, तिरुपति आदि मन्दिरों के सामने की ओर बने हुए 'रायगोपुरम' का निर्माता कौन था? **–कृष्णदेव राय**

★ हरिहर एवं बुक्का ने, जिस संत के प्रभाव में आकर विजयनगर राज्य की स्थापना की, उसका नाम था **–माधव विद्यारण्य**

★ कौन-सा स्थान विजयनगर साम्राज्य में गलीचा निर्माण के लिए प्रसिद्ध था? **–कालीकट**

★ मीनाक्षी मन्दिर कहाँ स्थित है? **–मदुरई में**

★ विजयनगर साम्राज्य की स्थापना कब हुई थी? **–14वीं सदी में**

★ कृष्णदेव राय राजा थे **–विजयनगर के**

★ चारमीनार का निर्माण किसने कराया था? **–कुली कुतुबशाह ने**

★ गोलकुण्डा कहाँ अवस्थित है? **–हैदराबाद में**

★ हम्पी का खुला संग्रहालय किस राज्य में है? **–कर्नाटक में**

★ किस संगमवंशी शासक को 'प्रौढ़ देवराय' भी कहा जाता था? **–देवराय II**

★ विजयनगर साम्राज्य के वित्तीय व्यवस्था की मुख्य विशेषता क्या थी? **–भूराजस्व**

★ शर्की सुल्तानों के शासनकाल में किसे 'पूर्व का शीराज' या 'शीराज-ए-हिन्द' कहा जाता था? **–जौनपुर को**

★ कल्हण की 'राजतरंगिनी', जिसे 'सही अर्थों में पहला ऐतिहासिक ग्रन्थ' होने का गौरव प्राप्त है, को किसने आगे बढ़ाया ? **–जौनराज एवं श्रीवर**

★ बहमनी राज्य की स्थापना की थी **–अलाउद्दीन हसन बहमन शाह (हसन गंगू) ने**

★ वैदिक ग्रन्थों के प्रसिद्ध भाष्यकार सायण किस काल में सक्रिय थे? **–विजयनगर राज्यकाल में**

★ 1565 ई. में कौन-सा प्रसिद्ध युद्ध हुआ ? **–तालीकोटा का युद्ध**

★ कश्मीर का शासक, जो 'कश्मीर का अकबर' नाम से जाना जाता है, वह है **–जैनुल आबिदीन**

★ कृष्णदेव राय ने 'आमुक्तमाल्यद' (काव्य) की रचना किस भाषा में की? **–तमिल**

★ विजयनगर के किस शासक को 'आन्ध्र पितामह' भी कहा जाता है **–कृष्णदेव राय को**

★ किसका शासनकाल 'तेलुगू साहित्य का क्लासिकी युग' माना जाता है? **–कृष्णदेव राय का**

★ बहमनी साम्राज्य को किसने चरमोत्कर्ष पर पहुँचाया? **–महमूद गावां ने**

★ 'टोडरमल का पूर्वगामी' किसे कहा जाता है? **–महमूद गावां को**

★ मुस्लिम शासकों में किस एक को उसकी धर्मनिरपेक्षता में आस्था के कारण उसकी मुस्लिम प्रजा 'जगद्गुरु' कहकर पुकारती थी? **–इब्राहिम आदिलशाह को**

★ अहमदाबाद की स्थापना किसने की? **–अहमदशाह I**

★ प्रसिद्ध विरुपाक्ष मन्दिर कहाँ अवस्थित है? **–हम्पी में**

★ विजयनगर के साथ युद्ध में पहली बार बारूद का प्रयोग किसने किया था? **–मुहम्मदशाह प्रथम ने**

★ विजयनगर प्रशासन की कौन सी व्यवस्था विशिष्ट थी ? **–नायंकर**

★ हरिहर किसका पुत्र था? **–संगम का**

★ बुक्का ने कौन सी उपाधि धारण की थी? **–वेदमार्ग प्रतिष्ठापक की**

★ पांडुरंग महात्म्य की रचना किसने की? **–नेतालीराम कृष्ण ने**

★ तेलुगू भाषा में आमुक्तमाल्यद पुस्तक किसने लिखी? **–कृष्णदेव राय न**

ꕥ❖ꕥ

BY KHAN SIR (मानचित्र विशेषज्ञ)

भक्ति आंदोलन Bhakti Movement

भक्ति आन्दोलन 600–800 AD

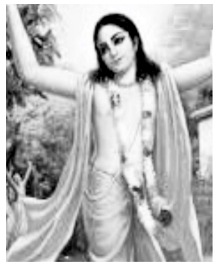

- पूर्व मध्यकाल में भक्ति आन्दोलन, दक्षिण भारत में वर्ण व्यवस्था तथा छूआछुत के कारण अत्यधिक फैल गयी। यहां से भक्ति आन्दोलन का प्रारम्भ हुआ। भक्ति आन्दोलन की शुरुआत सर्वप्रथम नयनार सन्तों ने किया। इस आन्दोलन की शुरुआत करने का श्रेय अलवार सन्तों को भी जाता है।
- भक्ति आन्दोलन का एक सुदृढ़-स्वरूप देने का श्रेय शंकराचार्य को जाता है।

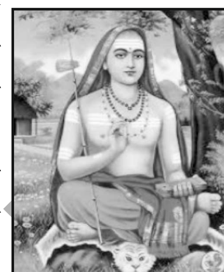

- शंकराचार्य ने अद्वैतवाद का मत दिया और कहा कि यह संसार झूठा है। ब्रह्म सत्य है। इन्होंने स्मृति-सम्प्रदाय की स्थापना किया।
- शंकराचार्य ने दक्षिण भारत में भक्ति आंदोलन को बौद्ध तथा जैन धर्म के प्रभाव को कम करने के लिए किया।
- इन्होंने अपने विचार के प्रसार के लिए भारत के चारों दिशा में पीठ (मठ) का निर्माण कराया।
  1. उत्तर → ज्योतिष पीठ (बद्रीनाथ) उत्तराखण्ड
  2. दक्षिण → श्रृंगेरी पीठ (मैसूर) कर्नाटक
  3. पूरब → गोवर्धन पीठ (पूरी) ओडिशा
  4. पश्चिम → शारदापीठ (द्वारका) गुजरात

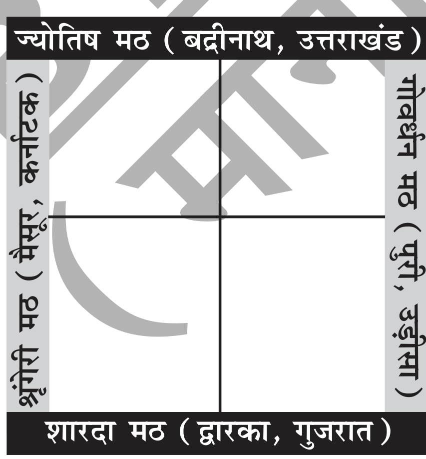

- 12वीं सदी में शंकराचार्य के मत को कई विद्वान ने काट दिया।
  1. माधवाचार्य ने द्वैतवाद का मत दिया और ब्रह्म सम्प्रदाय की स्थापना किया।
  2. निम्बाकाचार्य ने द्वैता द्वैतवाद का मत दिया और सनक सम्प्रदाय की स्थापना किया।
  3. बल्लभाचार्य ने शुद्धाद्वैतवाद का मत दिया और पुष्टि सम्प्रदाय की स्थापना किया।
  4. रामानुजाचार्य ने विशीष्टता द्वैतवाद का मत दिया और श्री गणेश की स्थापना किया।
- प्रारम्भ में भक्ति आन्दोलन दक्षिण भारत तक सिमित था। भक्ति आन्दोलन को उत्तर भारत में लाने का श्रेय रामानंद को जाता है। रामानन्द ने अपना उपदेश हिन्दी में देना प्रारम्भ किया।
  16वीं शताब्दी में भक्ति आंदोलन अपने चरमोत्कर्ष पर पहुंच गई। उत्तर भारत का भक्ति आंदोलन उच्च-नीच तथा छुआ-छुत के विरुद्ध था। उत्तर भारत का भक्ति आंदोलन दो भागों में बंट गया।

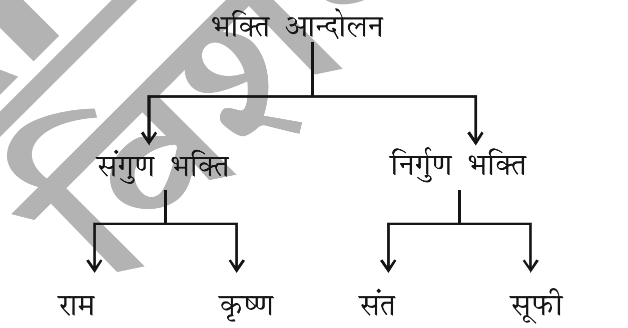

- **संगुण भक्ति** - इस भक्ति के भक्त भगवान को एक विशेष रूप देते हैं। वे भगवान की मूर्त्ति या चित्र बनाते हैं और उसकी पूजा करते हैं। संगुण भक्ति दो भागों में बटा-रामभक्ति तथा कृष्णभक्ति।

राम-भक्ति

- इस शाखा के भक्त-भगवान राम की आधारना करते थे। इस शाखा के सबसे प्रमुख भक्त तुलसीदास थे। जिन्होंने अवधि भाषा में रामचरितमानस की स्थापना की। उनकी अन्य प्रमुख रचना कवितावली, दोहावली, विनयपत्रिका है। ये अकबर के समकालिन थे।
- अकबर ने इन्हें नवरत्न में शामिल होने का प्रस्ताव दिया। लेकिन उन्होंने इस प्रस्ताव को Reject कर दिया।
- दक्षिण भारत में रामभक्ति को फैलाने का कार्य त्यागराज ने किया।

कृष्ण-भक्ति

- इस शाखा के सारे भक्त भगवान कृष्ण की अराधना करते थे। कृष्ण भक्ति में सबसे प्रमुख संत विट्ठल-स्वामी इन्होंने आठ शिष्यों को शिक्षा दिया। जिन्हें संयुक्त रूप से अष्टाछाप कहा जाता है। इस अष्टाछाप में सबसे प्रमुख शिष्य सूरदास थे।

- ☞ सूरदास की रचना सूर-सागर प्रमुख है। सबसे प्रमुख महिला कृष्ण भक्ति मीराबाई की रचना है।
- ☞ महाराष्ट्र के क्षेत्र में कृष्ण-भक्ति को एक साथ तुकाराम इत्यादि ने फैलाया।
- ☞ तुकाराम शिवाजी के समकालिन थे। गुजरात के क्षेत्र में कृष्ण-भक्ति का प्रचार नरसिंह मेहता ने किया। इनकी कविता **"वैष्णव जन तो तेने कहिए"** है। यह महात्मा गांधी का भी पसंदीदा गीत था।
- ☞ बंगाल, बिहार तथा उड़िसा के क्षेत्र भक्ति आन्दोलन का प्रचार चैतन्य महाप्रभू ने किया था। इन्होंने ही हरिकिर्तन प्रारम्भ किया।
- ☞ कृष्ण भक्ति में संगीत बहुत ज्यादा है।

निर्गुण भक्ति

- ☞ इस भक्ति के सन्त किसी की मूर्ति या चित्र नहीं बनाते थे। वे बिना मूर्ति के ही अराधना करते थे। निर्गुण भक्ति दो भागों में बंट गया। संत भक्ति तथा सूफि भक्ति।

संत भक्ति

- ☞ संत भक्ति के अंतर्गत गुरुनानक कबीर, धन्ना, सेना रैदास जैसे संत आते हैं।

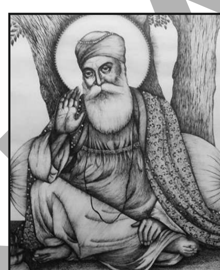

1. **गुरुनानक देव :-** इनका जन्म 15 अप्रैल, 1469 ई. में तलवंडी में हुआ था। यह स्थान वर्तमान समय में पाकिस्तान में है, जो ननकाना साहिब के नाम से प्रसिद्ध है। गुरु नानक ने सिख धर्म की स्थापना किया और गरीबों को मुफ्त में भोजन (लंगर) व्यवस्था शुरु किया किन्तु यह सुचारू रूप से नहीं था। अंतिम समय उन्होंने करतार साहिब में बिताये थे। इन्होंने ही गुरु की परंपरा को प्रारम्भ किया था।

❖ इन्हें सिख धर्म का **प्रथम गुरु** कहा जाता था।

2. **अंगद देव :- ये दूसरे गुरु थे।** जिन्होंने लंगर व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाया। इन्होंने गुरु-मुखी लिपि का खोज किया।
3. **अमरदास :- ये तीसरे गुरु थे।** इन्होंने पर्दा-प्रथा, सती-प्रथा (कुप्रथा) इत्यादि का विरोध किया। यह पारिवारिक जीवन में रहते हुए गुरु के कर्त्तव्यों का पालन किया।
4. **रामदास :- ये चौथे गुरु थे।** इनका अकबर से अच्छा सम्बन्ध था। अकबर ने इन्हें अमृतसर शहर के लिए 500 बिगहा जमीन दान में दिया। उन्होंने अमृतसर नामक एक तालाब बनाया था।

❖ अमृतसर Airport का नाम गुरु रामदास Internatinal Airport है।

5. **अर्जुन देव :- ये पांचवें गुरु थे।** इन्होंने ही स्वर्ण मन्दिर की स्थापना की। इन्होंने गुरुग्रन्थ साहिब की रचना की थी। जिन्हें आदि ग्रन्थ भी कहते हैं। इनके समय से ही गुरु का पद वंशानुगत हो गया। इन्होंने जहांगीर के विद्रोही पुत्र खुसरो को समर्थन दिया था। जिस कारण जहांगीर ने इन्हें फांसी दे दिया।

Note :- राजा रंजीत सिंह ने हरमंदिर पर सोने की परत चढ़वाया जिसके बाद हरमंदिर के स्वर्ण मंदिर हो गया। सिख धर्म में सबसे ज्यादा जोड़ मानवता पर दिया गया है।

6. **गुरु हरगोविन्द :- ये छठवें गुरु थे।** इन्होंने अकाल तख्त की स्थापना किया तथा नगाड़ा बजाने की परम्परा शुरु किया।
7. **गुरु हरिराय :- ये सातवें गुरु थे।** इनका मुगल बादशाह द्वारा शिकोह से अच्छा सम्बन्ध था।
8. **गुरु हरिकशन :- ये आठवें गुरु थे।** इनका कार्यकाल बहुत छोटा था। इनकी मृत्यु चेचक के कारण हो गयी थी।
9. **गुरु तेगबहादुर :- ये नौवें गुरु थे।** इन्होंने औरंगजेब के विद्रोही पुत्र अकबर द्वितीय को शरण दे दिया। जिस कारण औरंगजेब ने इन्हें इस्लाम धर्म कुबुल करने को कहा किन्तु इन्होंने इस्लाम धर्म कुबुल नहीं किया। जिस कारण औरंगजेम ने दिल्ली चांदनी चौक पर हत्या कर दिया जहां आज शिशगंज गुरुद्वारा है।

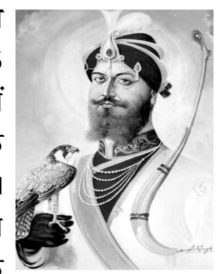

10. **गुरु गोविन्द सिंह : ये दसवें तथा अंतिम गुरु थे-** इनका जन्म 26 दिसम्बर, 1666 को पटना साहिब में हुआ था। किन्तु इनकी प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा अमृतसर में हुई थी। इनके बाद गुरु का पद समाप्त हो गया। इन्होंने सिखों को एक सैनिक टूकड़ी में ढाल दिया और खालसा पंथ की स्थापना किया।

- ☞ इन्होंने 5 कारवार की स्थापना किया। 5 करवार इस प्रकार है- केश, कंघा, कृपाण, कछा, कड़ा रखना अनिवार्य कर दिया। इन्होंने कहा कि सिख अपनी बाल कभी नहीं दिखायेगा। इन्होंने मुगलों का मुँहतोड़ जवाब दिया। इनके समय गुरु का पद समाप्त कर दिया गया। इनका कहना था-

''चिड़िया नु मै बाज लड़ावा
गिदर नु मै शेर बनावा
सवालख नु एक लड़ावा
तब गोविन्द सिंह नाम कहावा''

- ☞ 1705 में औरंगजेब के कहने पर बुलखान नामक व्यक्ति ने महाराष्ट्र के नानदेर में गोविन्द सिंह की हत्या कर दी। गोविन्द सिंह के मृत्यु के बाद सबसे बड़ा सिख योद्धा बंदा बहादुर था। जिसने हजारों की संख्या में मुगल सैनिकों को मौत के घाट उतार दिया।
- ☞ औरंगजेब के इशारे पर बंदा बहादुर की भी हत्या कर दी गई। इसके बाद सिख धर्म छोटे-छोटे टुकड़ों में बंट गया। जिसे

मिशल कहते हैं। सबसे प्रमुख मिशल सुकर चकिया मिशल था। जिससे राजा रंजीत सिंह आते थे। इन्होंने ही स्वर्ण मंदिर के दिवारों पर सोने की चादर चढ़वाई।

Note :- सिखों में 3 category होती है। जट, ज्ञानी, सरदार क्रमश: (शनिदेवल, भाग मिल्खा सिंह, मनमोहन सिंह)

❖ **संत भक्ति के कुछ अन्य भक्त–**

1. **दादू – गुजरात**
2. **रामनुजाचार्य – तमिलनाडु**
3. **रामानंद – इलाहाबाद**

☞ **रामानंद :–** इसने पहली बार उपदेशों के हिन्दी में देना प्रारंभ किया। ये राम और सीता के उपासक थे। इनके कुछ प्रमुख शिष्य थे, जो अलग-अलग जाती से थे तथा दो महिला शिष्या थी। पद्मावती और सुरसी।

☞ **रैदास :–** ये चमार या मोची के जाति से आते थे। इन्हें संतों का संत कहा जाता था।

☞ **कबीर-जुलाहा (बीजक) :–** इनको मानने वालो को कबीर पंथी कहते हैं। इनके दोहे बीजक पुस्तक में रखे गये हैं। ये सिकंदर लोदी के समकालीन थे।

प्रमुख शिष्य

धन्ना	जाट
सेना	नाई
साधना	कसाई
पीपा	राजपूत

सूफी भक्ति

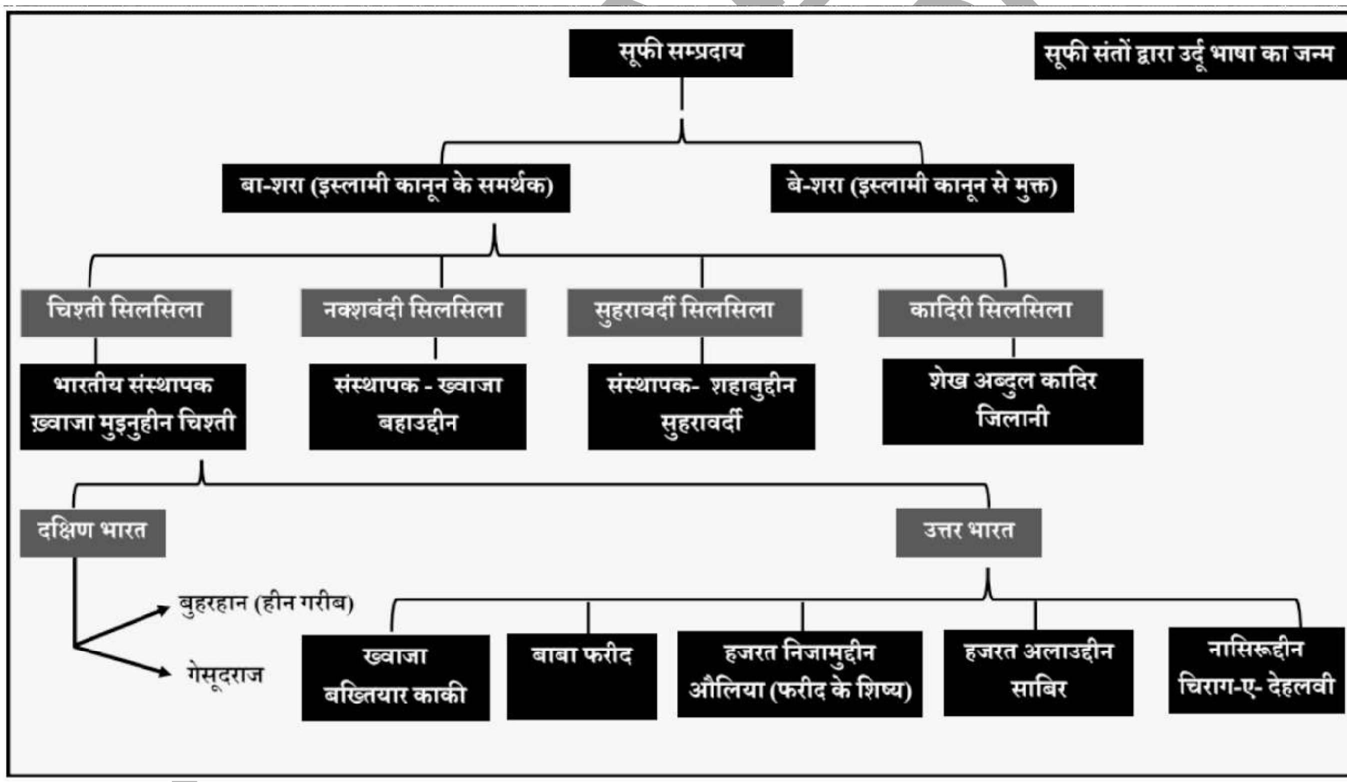

☞ सूफी शब्द अरबी भाषा के सफा शब्द से हुई है। पहले सूफी सन्त के रूप में मैसूर हल्लाज का नाम आता है। इन्होंने अनहलत की उपाधि धारण की जिसका अर्थ होता है इश्वर से मिलने वाला।

☞ भारत में सबसे प्रमुख सम्प्रदाय चिस्ती सम्प्रदाय थी। भारत में इसकी स्थापना का श्रेय ख्वाजा मोइनुद्दीन चिस्ती को जाता है। इन्होंने अपना केन्द्र राजस्थान के अजमेर में बनाया।

☞ चिस्ती सम्प्रदाय के संत उदारवादी (विनम्र) होते थे। ये कट्टर नहीं होते।

☞ मोइनुद्दीन चिस्ती के गुरु उस्मान हासनी थे।

☞ मोइनुद्दीन चिस्ती के सबसे प्रिय शिष्य ख्वाजा बख्तियार काकी थे।

☞ बख्तियार काकी के शिष्य बाबा फरिद तथा कुतुबुद्दीन ऐबक थे।

☞ बाबा फरीद के उपदेशों को गुरु ग्रन्थ साहिब में भी रखा गया है।

☞ बाबा फरीद के सबसे प्रिय शिष्य निजामुद्दीन औलिया थे, ये सात सुल्तानो का काल देखे थे।

- निजामुद्दीन औलिया के सबसे प्रिय शिष्य अमीर खुशरो थे।
- निजामुद्दीन औलिया तथा अमीर खुशरो दोनों का मकबरा दिल्ली में एक ही पास है।
- अकबर के समकालिन सूफी शेख सलिम चिस्ती थे। इन्हीं से प्रभावित होकर अकबर ने अपने बेटे का नाम सलिम रखा था। जो आगे जाकर जहांगीर के नाम से जाना गया।

Note : ख्वाजा मोइनुद्दीन चिस्ती द्वारा चलाए गए सम्प्रदायों को चिस्ती सम्प्रदाय कहते हैं। यह भारत का सबसे बड़ा सूफी संप्रदाय है।

सुहरवर्दीया सम्प्रदाय

- इस सम्प्रदाय के स्थापना का श्रेय बहारुउद्दीन जकारिया को जाता है। इन्होंने अपना केन्द्र पाकिस्तान के मुलाना को बनाया था। इस शाखा के सूफी कठोर व्रत का पालन नहीं करते हैं। बल्कि सामान्य जीवन को जीते हैं।

फिरदौसी सम्प्रदाय

- इस सम्प्रदाय के स्थापना का श्रेय याहिया मनेरी को जाता है। इन्होंने अपना केन्द्र बिहार के मनेर शरीफ (दानापुर) को बनाया।
- बिहार में सबसे प्रचलित फिरदौसी सम्प्रदाय थी।

नक्सवदिया सम्प्रदाय

- नक्सवदिया सम्प्रदाय के संस्थापक बाकी बिल्लाह थे।
- इस सम्प्रदाय के सूफी कठोर व्रत का पालन करते थे तथा कट्टर थे।
- धार्मिक कट्टर का अर्थ होता है धार्मिक नियम को कठोरता पूर्ण लागू करवाने वाला।

कादिरिया सम्प्रदाय

- इस सम्प्रदाय के संस्थापक शिष्य अब्बुल कादिरउल जीलानी सैयद लिल्लाह थे। इन्होंने अपना केन्द्र इराक के बगदाद में बनाया था।

Note :- पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम के जनक अब्बुल कादिर को कहा जाता है, जो सूफी न होकर एक परमाणु वैज्ञानिक थे।

कट्टर :- वैसे लोग जो नियमों की शक्ति से पालन करते हैं कट्टर कहलाते हैं।

स्मरणीय तथ्य

- आठवीं शताब्दी में तमिल प्रदेश में अलवार और नयनार संतों द्वारा भक्ति मार्ग के माध्यम से शैव और वैष्णव धर्म का प्रसार हुआ। अलवारों में एक मात्र महिला संत **अण्डाल** थीं।
- **कुलशेखर** प्रमुख अलवार संत थे, जो संत बनने से पूर्व टावनकोर (मालाबार) के राजा थे। उन्होंने **पेरूमाल तिरूमोलि** नामक भक्ति गीतों की रचना की।
- रामानुजाचार्य ने **वेदान्तसार, वेदार्थसंग्रह, ब्रह्मसूत्र भाष्य** तथा **भगवद्गीता पर टीका** की रचना की। उनके द्वारा स्थापित सम्प्रदाय श्री वैष्णव सम्प्रदाय था।
- निम्बाकाचार्य का जन्म 1165 ई. में मद्रास के विल्लारी जिले में हुआ। इनका सम्प्रदाय **सनक सम्प्रदाय** के नाम से विख्यात है, जिसका मूल उद्दश्य राधा-कृष्ण की उपासना था।
- रामानंद को दक्षिण और उत्तर भारत के भक्ति आंदोलन का सेतु माना जाता है। वे ही दक्षिण के भक्ति आंदोलन को उत्तर लेकर आए।
- कबीर का जन्म (सन् 1440 ई.) में **काशी (वाराणसी)** में हुआ, जबकि उनकी मृत्यु (1510 ई.) में **मगहर** में हुई थी। उनके अनुयायी **कबीरपंथी** कहलाए।
- **सूरदास,** बल्लभाचार्य के शिष्य थे। उन्हें **पुष्टिमार्ग का जहाज** कहा जाता है। वे मुगल बादशाह अकबर के समकालीन थे।
- तुलसीदास अकबर के समकालीन थे।
- शेख सलीम चिश्ती को **शेख-उल-हिंद** की उपाधि प्रदान की गई।
- शेख निजामुद्दोन औलिया की दरगाह दिल्ली स्थित है।
- बल्लभाचार्य का जन्म और मृत्यु दोनों **वाराणसी** में हुई थी। उन्होंने रुद्र सम्प्रदाय की स्थापना की थी।
- वेदांत ज्ञानयोग की एक शाखा है जिसका मुख्य स्रोत उपनिषद् है। उपनिषद् वैदिक साहित्य का अंतिम भाग है, इसलिये इसको वेदांत कहते हैं।
- वेदांत की प्रसिद्ध तीन शाखाएं हैं- अद्वैत वेदांत, विशिष्ट अद्वैत और द्वैत जिसके प्रवर्तक क्रमश: आदि शंकराचार्य, रामानुज और माधवाचार्य को माना जाता है।
- सभी भक्ति संतों के मध्य एकसमान विशेषता थी, क्योंकि उन्होंने अपनी वाणी को उसी भाषा में लिखा, जिसे उनके भक्त समझते थे।
- सूफी विचारधारा में **गुरु (पीर)** और **शिष्य (मुरीद)** के बीच संबंध का महत्त्व बहुत अधिक है। प्रत्येक पीर अपना उत्तराधिकारी नियुक्त करता था जिसे **'वली'** कहते थे।
- **मंसूर-बिन-हल्लाज** प्रथम साधक थे, जिन्होंने अपने को **'अनहलक'** घोषित किया। वे सूफी विचारधारा के प्रतीक बन गए थे।
- चिश्ती सम्प्रदाय से प्रभावित होकर बंगाल के शासक हुसैनशाह ने अपना प्रसिद्ध **सत्यपीर आंदोलन** प्रारम्भ किया।
- असम के सबसे बड़े धार्मिक सुधारक शंकर देव थे। उन्होंने निष्काम भक्ति पर बल दिया और शरण सम्प्रदाय की स्थापना की। उन्होने असम में वैष्णव धर्म को लोकप्रिय बनाया।
- नरसिंह मेहता गुजरात के प्रसिद्ध संत थे। उनकी उपासना पद्धति भजन-कीर्तन था। महात्मा गांधी के प्रिय भजन **'वैष्णव जन तो तेनी कहिये............'** की रचना **नरसी मेहता** ने की थी।
- रामदास शिवाजी के समकालीन महाराष्ट के प्रमुख संत थे, उन्होंने **परामर्श सम्प्रदाय** की स्थापना की।

One liner Question :–

★ सूफी मत में सिलसिलों का गठन कब शुरू हुआ –**11 वीं सदी**
★ किस सूफी संत को महबूब-ए-इलाही के नाम से जाना जाता है –**निजामुद्दीन औलिया**
★ किस सूफी संत को चिराग-ए-दिल्ली के नाम से जाना जाता है –**शेख नसीरुद्दीन**
★ दक्षिण भारत में सूफी मत के प्रचार का श्रेय किस सूफी संत को दिया जाता है –**हजरत गेसूदराज**
★ किस सूफी संत का शिष्य अमीर खुसरो था –**निजामुद्दीन औलिया**
★ दक्कन में चिश्ती सम्प्रदाय की नींव किस सूफी संत ने डाली थी –**शेख बुरहानुद्दीन गरीब**
★ फिरदौसी सिलसिता किस सूफी सम्प्रदाय की एक शाखा के रूप में प्रसिद्ध है –**कादिरिया सम्प्रदाय**
★ सूफी मत के एक सम्प्रदाय, फिरदौसी सिलसिला के सर्वप्रमुख सूफी संत कौन थे –**शेख शरफुद्दीन याया मनेरी**
★ एक प्रमुख सूफी सम्प्रदाय सुहारावर्दी की एक शाखा फिरदौसी सिलसिला के नाम से विख्यात है। इसकी स्थापना कहाँ हुयी थी –**केरल**
★ भक्ति को दार्शनिक आधार देने वाले प्रथम आचार्य था –**रामानुज**
★ भक्ति आन्दोलन प्रारंभ किया गया था –**अलवार संतों द्वारा**
★ रामानुजाचार्य का दर्शन किस ग्रंथ पर आधारित है –**श्रीमद्‌भागवत पुराण**
★ भक्ति आंदोलन के काल में 'अष्टछाप' सम्प्रदाय आंदोलन की सर्वाधिक लोकप्रियता किस राज्य में थी –**गुजरात**
★ अमीर हसन रिजवी द्वारा लिखित 'फवायद उल-फुवाद' में किस सूफी संत की शिक्षा और वार्तालाप संकलित है – **निजामुद्दीन औलिया**
★ किसने अपने जीवनकाल में दिल्ली के सात सुल्तानों का शासन काल देखा था –**निजामुद्दीन ओलिया**
★ कादरी सिलसिला की स्थापना की थी –**अब्दुल कादिर जिलानी**
★ कव्वाली की शुरुआत किससे मानी जाती है –**अमीर खुसरो**
★ बंगाल में भक्ति आंदोलन की नींव किस संत ने रखी थी – **माधवेन्द्र पुरी**
★ भक्ति आंदोलन के एक प्रमुख संत चैतन्य के जीवन का अधिकांश समय कहां बीता –**गया**
★ भारतीय परम्परा में भक्तिवाद प्रथमत: किस युग में स्पष्ट हुआ था –**गुप्त युग**
★ 'दक्षिण का कबीर' किस संत को कहा जाता है –**तुकाराम**
★ वेदांग की एक शाखा योग पर किस सूफी सम्प्रदाय ने बल दिया था –**चिश्ती**
★ सिक्खों के आदिग्रंथ में किस चिश्ती संत की रचनाएं संकलित हैं –**बाबा फरीद**
★ मुगल शासक बाबर ने भारत में किस सम्प्रदाय को लोकप्रिय बनाने में रुचि ली थी –**नक्शबंदी**
★ द्वैताद्वैतववाद के संस्थापक कौन थे –**निम्बकाचार्य**
★ भक्ति आंदोलन का विकास सर्वप्रथम कहां हुआ था –**दक्षिण भारत में**
★ शुद्धाद्वैतवाद की स्थापना का श्रेय किये दिया जाता है – **वल्लभाचार्य को**
★ भक्ति आंदोलन को दार्शनिक आधार किसने प्रदान किया था – **आचार्य रामानुज**
★ 'अद्वैत सम्प्रदाय' की स्थापना का श्रेय किसे प्राप्त है – **शंकराचार्य को**
★ विशिष्टताद्वैत सम्प्रदाय की स्थापना किसने की थी –**रामानुजाचार्य**
★ भक्ति आंदोलन को दक्षिण भारत से उत्तर भारत कौन लाया था –**रामानन्द**
★ कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति से उसका धर्म सम्प्रदाय या जाति न पूछे किसका कथन है –**रामानन्द का**
★ मीराबाई का किस वंश से संबंध था –**सिसौदिया वंश**
★ किस चोल शासक ने रामानुज को दण्ड देने की धमकी दी थी –**कुलोतुंग प्रथम**
★ विष्णु के अवतार के रूप में उसके अनुयायियों द्वारा कौन सा भक्ति संत प्रतिष्ठित किया गया था –**चैतन्य**
★ तुलसीदास द्वारा विरचित रामचरितमानस किस क्षेत्रीय भाषा में लिखा गया है –**अवधी**
★ भक्ति आंदोलन के किस संत के विभिन्न जातियों से संबंधित 12 शिष्य थे –**रामानन्द**
★ कबीर शिष्य थे –**रामानन्द के**
★ महाप्रभु वल्लभाचार्य की जन्म स्थली है –**चंपारण में**
★ पुष्टिमार्ग के संस्थापक कौन थे –**वल्लभाचार्य**
★ वल्लभाचार्य किसके उपासक थे –**कृष्ण के**
★ शुद्ध अद्वैत्वाद का प्रतिपादन किया था –**वल्लभाचार्य**
★ बंगाल में भक्ति आंदोलन को किसने लोकप्रिय बनाया था –**चैतन्य**
★ सूफी मत का संबंध किससे है –**रहस्यवाद से**
★ भारत में स्थित सूफी सम्प्रदायों में सर्वाधिक लोकप्रिय सम्प्रदाय कौन-सा था –**चिश्ती**
★ भारत में चिश्ती सम्प्रदाय की स्थापना किसने की थी –**ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती**
★ ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह कहां पर स्थित है –**अजमेर**
★ सूफी संतो में कौन गजशंकर या बाबा फरीद के नाम से लोकप्रिय हुआ था –**फरीदुद्दीन मसूद**

BY KHAN SIR (मानचित्र विशेषज्ञ)

★ किस प्रसिद्ध सूफी संत के जीवनकाल में एक के बाद एक सात शासक दिल्ली सल्तनत की गद्दी पर आसीन हुए **– निजामुद्दीन औलिया**

★ किस वैष्णव संत का जन्म वाराणसी में हुआ था **–वल्लभाचार्य**

★ रामायण का बांग्ला रुपांतर किसने किया था **–कृतिवास**

★ 12 वीं शताब्दी में भक्ति आंदोलन के प्रवर्तक कौन हुए **–रामानुजाचार्य**

★ रामानुज के अनुयायियों को कहा जाता है **–वैष्णव**

★ राग गोविन्द के रचनाकार है **–मीराबाई**

★ मीराबाई समकालीन थी **–तुलसीदास की**

★ मीरा के पति का नाम था **–रजा भोजराज**

★ तुलसीदास समकालीन थे **–अकबर के**

★ रामचरितमानस के रचयिता है **–तुलसीदास**

★ वारकरी सम्प्रदाय का संत था **–नामदेव**

★ बारहमासा की रचना की **–मालिक मुहम्मद जायसी**

★ किस भाषा में चण्डीदास ने अपनी भक्ति रचना की थी **–बांग्ला**

★ क्राईस्ट का जन्म स्थान **–बेथलेहम**

★ ईसाइयों का गुड फ्राईडे मनाया जाता है **–ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाये जाने के स्मरण में**

★ भक्ति आन्दोलन के प्रारम्भिक प्रतिपादक थे **–रामानुज आचार्य**

★ महाराष्ट्र में भक्ति सम्प्रदाय किसकी शिक्षाओं द्वारा फैला था? **–संत ज्ञानेश्वर की**

★ कबीर के गुरु कौन थे? **–रामानंद**

★ संत कबीर का जन्म कहाँ हुआ था? **–मगहर/वाराणसी में**

★ सभी भक्ति संतों के मध्य एक समान विशेषता थी कि उन्होंने **–अपनी वाणी को उसी भाषा में लिखा, जिसे उनके भक्त समझते थे**

★ भक्ति आन्दोलन का प्रारम्भ किया गया **–आलवार-नयनार संतों द्वारा**

★ रामानुज के अनुयायियों को कहा जाता है **–वैष्णव**

★ आदिशंकर, जो बाद में शंकराचार्य बने, उनका जन्म हुआ था **–पश्चिम बंगाल में**

★ 'बीजक' की रचयिता कौन है? **–कबीर**

★ भक्ति रस कवयित्री मीराबाई थी **–एक राजपूत शासक की पत्नी**

★ चैतन्य महाप्रभु किस सम्प्रदाय से जुड़े थे? **–गौड़ीय सम्प्रदाय से**

★ पुष्टि मार्ग के दर्शन की स्थापना किसने की ? **–बल्लभाचार्य ने**

★ किस संत ने ईश्वर को अपने पास अनुभव करने के लिए नृत्य एवं गीतों (कीर्तन) को माध्यम बनाया ? **–चैतन्य महाप्रभु ने**

★ अद्वैतवाद के सिद्धान्त के प्रतिपादक कौन थे? **–शंकराचार्य**

★ 'गीत गोविन्द' के रचयिता हैं **–जयदेव**

★ भक्ति आन्दोलन के दौरान असम में किसने इस आन्दोलन का प्रतिनिधित्व किया? **–शंकरदेव ने**

★ गुरु नानक का धर्म उपदेश है **–मानव बंधुत्व का**

★ प्रसिद्ध भक्त कवयित्री मीराबाई के पति का नाम था **–राजकुमार भोजराज**

★ बुद्ध और मीराबाई के जीवन दर्शन में मुख्य साम्य था **–संसार दुःखपूर्ण है**

★ 'ब्रह्म सत्य है और जगत् मिथ्या (भ्रम या माया) है'–यह किसकी उक्ति है? **–शंकराचार्य की**

★ किसने भक्ति के क्षेत्र में 'शूद्रों' को भगवत दर्शन व मोक्ष का अधिकार देकर उन्हें इस्लाम धर्म स्वीकार करने से रोका ? **–रामानुजाचार्य ने**

★ दक्षिण भारत का वह संत कौन था जिसने अपना अधिकांश जीवन उत्तर भारत में वृन्दावन में बिताया ? **–निम्बार्क आचार्य**

★ भक्त तुकाराम कौन-से मुगल सम्राट् के समकालीन थे? **–जहाँगीर के**

★ किस भक्ति संत ने अपने संदेश के प्रचार के लिए सबसे पहले हिन्दी का प्रयोग किया ? **–रामानंद ने**

★ रैदास किसके शिष्य थे? **–रामानन्द के**

★ किस गुरु ने पंजाबी भाषा के लिए गुरुमुखी लिपि की शुरुआत की? **–गुरु रामदास ने**

★ गुरु नानक का जन्म 1469 ई. में कहाँ हुआ था? **–तलवंडी/ननकाना**

★ सिख/सिक्ख धर्म का संस्थापक किसे माना जाता है? **–गुरु नानक को**

★ चैतन्य महाप्रभु का जन्म स्थल है **–नदिया/नवद्वीप**

★ शिवाजी के आध्यात्मिक गुरु कौन थे? **–शंकर देव**

★ भक्ति आन्दोलन की दो मुख्य धाराएँ कौन सी थीं? **–निर्गुण तथा सगुण**

★ निर्गुण परम्परा के सर्वाधिक प्रसिद्ध व लोकप्रिय संत कौन थे? **–कबीर और नानक**

★ मलूकदास ने किसका घोर विरोध किया? **–तीर्थ यात्र व मूर्ति पूजा का**

★ यदि एक पत्थर की पूजा होती है तो दूसरे को पैरों तले क्यों रोंदा जाता है? किसने कहा था? **–नामदेव ने**

★ ईश्वर पूजा हेतु गोदावरी नदी से लाए पवित्र जल को किसने एक प्यासे गधे को पिला दिया था? **–एकनाथ ने**

★ गुरु शंकराचार्य किस मत के प्रवर्तक थे? **–अद्वैतवाद के**

★ रामानुजाचार्य किस मत के प्रवर्तक थे? **–विशिष्ट अद्वैतवाद के**

★ रामानन्द ने किस सिद्धान्त पर जोर दिया? **–एकेश्वरवाद पर**

BY KHAN SIR (मानचित्र विशेषज्ञ)

मुगल काल (Mughal Period)

- तैमूर के मृत्यु के बाद मध्य एशिया में अनेक छोटे-छोटे राज्यों का उदय हुआ। उन्हीं राज्यवंशों में से एक मुगल था।
  बाबर → हुमायूं → अकबर → जहांगीर → शाहजहाँ → औरंगजेब → बहादुर शाह जफर

जहीरूद्दीन मुहम्मद बाबर (1526-1530)

- मुगल वंश का संस्थापक **बाबर** को माना जाता है। बाबर का वास्तविक नाम **'जहीरुद्दीन मुहम्मद'** था।
  तुर्की भाषा में बाबर का अर्थ बाघ होता है। अत: जहीरुद्दीन मोहम्मद अपने पराक्रम एवं निर्भिक्ता के कारण बाबर कहलाया।
- बाबर का जन्म 14 फरवरी, 1483 को फरगना के एक छोटे से राज्य में हुआ जो अब उजबेकिस्तान में है। इसके पिता उमर शेख मिर्जा (तैमूर वंशज) तथा माता कुतुलुबनिगार खान (मंगोल वंशज) जो चंगेज खां की वंशज थी। इसलिए इसे तुर्कों एवं मंगोलो दोनों के रक्त का मिश्रण था।
- बाबर अपनी दादी एहसान दौलतवेग के सहयोग से 11 वर्ष की आयु में 1494 ई. में फरगना का शासक बना और मिर्जा की उपाधि धारण किया।
- बाबर ने 1501 में समरकंद जीत लिया किन्तु यह जीत केवल आठ महिने ही रही। बाबर ने काबुल और गजनी पर अधिकार कर लिया।
- 1507 ई. में इसने मिर्जा की उपाधि त्याग किया और पादशाह (बादशाह) की उपाधि धारण किया।
- बाबर ने जिस नए वंश की स्थापना किया उसका नाम चगताई तुर्क था बाबर को भारत की ओर आक्रमण करने के लिए इसलिए मजबूर होना पड़ा कि उसके पड़ोस के शासक उससे हमेशा युद्ध करते रहते थे।
- बाबर पानिपत के प्रथम युद्ध से पहले भारत पर 4 बार आक्रमण किया। पानीपत का प्रथम युद्ध उसका भारत पर 5वां आक्रमण था। 1519 ई. में बाबर ने पहला बाजौर अभियान किया था। उसी आक्रमण में ही उसने भेड़ा के किला को जीत लिया। बाबर ने इस किले को जीतने के लिए सर्वप्रथम बारुद और तोप का प्रयोग किया।
- पानीपत के प्रथम युद्ध के लिए बाबर को निमंत्रण पंजाब का सूबेदार दौलत खां लोदी, इब्राहिम लोदी के चाचा आलम खां लोदी तथा राणासांगा ने दिया।
- पानीपत के प्रथम युद्ध 1526 ई॰ में बाबर ने उजबेको की युद्ध नीति तुगलमा (अर्धचन्द्रकार) निति तथा तोपो को सजाने में उस्मानी विधि (रूमी विधि) का प्रयोग किया और इब्राहिम लोदी को पराजित कर दिया और इस युद्ध में इब्राहिम लोदी मारा गया।
- दिल्ली सलतनत का एक मात्र शासक इब्राहिम लोदी था जो युद्ध में मारा गया था।
- भारत में तोप (कैनन) का प्रयोग पहली बार बाबर ने ही किया था।
- पानीपत के युद्ध में बाबर के तोपखाने का नेतृत्व उस्ताद अली और मुस्तफा खां नामक दो तुर्की अधिकारियों ने किया।
- तुगलमा निति को अर्धचन्द्रकार निति भी कहते हैं। इस निति के सफलता का मुख्य स्रोत तोपो की उपस्थिति थी।
  पानीपत का युद्ध परिणाम के दृष्टि से महत्वपूर्ण नहीं था। फलस्वरूप इस युद्ध में भारत के भाग्य नहीं बल्कि लोदियों के भाग्य का निर्णय था।

Trick :-

पान	खा	चांद	के घर
1526	1527	1528	1529
पानीपत	खानवा	चन्देरी	घाघड़ा
(इब्राहिम लोदी)	(राणासांगा)	(मेदनी राय)	(अफगान सेना)

- बाबर का पसंदीदा शहर काबुल था।
- पानीपत के प्रथम युद्ध के विजय के बाद बाबर ने काबुल के प्रत्येक निवासी को एक-एक चांदी का सिक्का दिया और कलन्दर (दानी) की उपाधि धारण किया।
- पानीपत का प्रथम युद्ध में बाबर ने यह निर्णय नहीं किया था कि वह भारत में स्थायी रूप से रहेगा।
- जैसे ही बाबर ने भारत में रहने का योजना बनाया तो राणासांगा ने विरोध कर दिया। 1527 ई॰ में खानवा (आगरा के समीप) का युद्ध हो गया। इस युद्ध में राणासांगा के साथ इब्राहीम लोदी के भाई महमूद लोदी, आलम लोदी और चंदेरी के राजा मेदिनी राय थे। सबकी सेना आगरा आयी और उसके बाद संयुक्त सेना खानवा के मैदान में आ गयी। बाबर का मुकबला इन चारों से था। इनकी संयुक्त सेना का मुकाबला बाबर के बस की नहीं थी। बाबर ने अपने सैनिकों का मनोबल बढ़ाया और सैनिकों पर लगने वाले तमगा नामक टैक्स को खत्म कर दिया। बाबर को हर हाल में यह युद्ध जीतना था।
- इसी युद्ध में बाबर ने जिहाद शब्द (धर्म के लिए जनादेश) का प्रयोग किया। इस युद्ध में बाबर अपने सैनिकों को मदिरा पीने से रोक लगा दिया। बाबर की सेना पूरी बहादुरी से लड़ी और इस युद्ध में बाबर की जीत हुई। इस युद्ध के बाद बाबर ने **गाजि** (युद्ध का विजेता) की उपाधि धारण कर लिया।

- इसी युद्ध के बाद बाबर ने यह निर्णय लिया कि वह भारत में स्थयी रूप से रहेगा।
- 1528 के चंदेरी (MP का ग्वालियर क्षेत्र) के युद्ध में उसने मेदनी राय को पराजित किया।
- 1529 ई. में उसने घाघरा के युद्ध में बिहार तथा अफगान के संयुक्त सेना को पराजित कर दिया। इसका नेतृत्व महमूद लोदी ने किया था। किन्तु बाबर ने अफगानों का पूर्णत: सफाया नहीं किया। यही बचे हुए अफगान सैनिक हुमायुं के लिए खतरा बनकर सामने आए।
- 26 दिसम्बर, 1530 को बाबर की मृत्यु हो गयी और उसे आगरा के आरामबाग में दफनाया गया।
- अकबर के समय इसके कब्र को आगरा से काबूल स्थानान्तरित कर दिया गया, क्योंकि बाबर की यह इच्छा थी उसे काबूल में दफनाया जाए।
- बाबर चार बाग शैली में आगरा में आरामबाग नामक बगीचा बनवाया था। इसमें नदी तथा नहरों द्वारा पानी देने की व्यवस्था थी। बाबर ने मुबइयान नामक एक पद्य शैली का विकास किया।
- बाबर को चार बाग शैली का जनक कहा जाता है।

- बाबर ने अयोध्या में बाबरी मस्जिद का निर्माण करवाया था। इस मस्जिद का वस्तुकार (desioner) मीर बाकि था।
- बाबर ने अपनी आत्मकथा तुजुक-ए-बाबरी (तुर्की भाषा) में यह कहता है कि उसने जिस वक्त भारत पर आक्रमण किया उस वक्त भारत में 5 मुस्लिम राज्य तथा 2 हिन्दू राज्य थे मुस्लिम राज्य में-दिल्ली, मालवा, गुजरात, बहमनी तथा बंगाल था। हिन्दु राज्य में-मेवाड़ तथा विजयनगर था।
- विजयनगर शासक कृष्ण देवराय बाबर के समकालिन थे बाबर ने इन्हें उस वक्त का सबसे शक्तिशाली शसक बताया है।

Remark :- तुजुक-ए-बाबरी बाबर की आत्मकथा है, जो तुर्की भाषा में है। अब्दुल रहिम खाने खाना ने अकबर के कहने पर इसका फारसी में अनुवाद किया। इसकी फारसी अनुवाद ही बाबर-नामा कहलाता है।

- बाबर के 4 पुत्र थे। जिसमें सबसे बड़ा पुत्र हुमायुं था। बाबर अपने जीवन काल में ही हुमायूं को अपना उत्तराधिकारी बनाया था।

कहा A हुमायूं

- क → कमरान
- हा → हिंदाल
- A → अस्करी
- हुमायूं → हुमायूं

नसीरूद्दीन मोहम्मद हुमायूं (1530–1556)

- हुमायुं बाबर के 4 बेटों में से सबसे बड़ा था। बाबर के कहने पर हुमायुं ने अपने राज्य को 4 भाइयों में बांट दिया। जो हुमायुं की सबसे बड़ी भूल शाबित हुआ।
- **हुमायूं के लिए चुनौती–**
  1. राज्य का बँटवारा
  2. धन की कमी
  3. राजपूत का विरोध
  4. अफगान
- बाबर ने अफगान शासकों का पूर्णत: सफाया नहीं किया था, जिस कारण अफगान शासक हुमायुं के लिए सबसे बड़ा खतरा बने लगे। हुमायूं का राज्याभिषेक 1530 ई. में हुआ।
- हुमायुं का प्रारम्भिक शासन शांतिपुर्ण था। किन्तु हुमायुं के ही प्रमुख विरोधी थे-एक गुजरात का शासक बहादुर शाह तथा एक बिहार का शासक शेरशाह सूरी।
- हुमायूं ने सर्वप्रथम पानीपत के प्रथम युद्ध में बाबर के साथ हिस्सा लिया था, यह उसके जीवन का प्रथम युद्ध था।
- चितौड़ की रानी, कर्णवाही ने गुजरात के शासक बहादुर शाह के अत्याचार से बचने के लिए हुमायुं से मदद मांगी और भेंट स्वरूप उसे राखी दिया।
- हुमायूं कर्णवाहि की रक्षा के लिए सेना लेकर चल दिया किन्तु कालींजर के शासक प्रताप रूद्र देव से हुमायूं का युद्ध हो गया और हुमायूं के पहुँचने में देर हो गयी तब तक कर्णवाहि जौहर कर चुकी थी।
- हुमायुं बहादुर शाह को पराजित करने के लिए 1531 में सर्वप्रथम कालिंजर अभियान किया।
- कालिंजर अभियान हुमायुं का शासक बनने के बाद पहला अभियान था।
- हुमायुं का अफगानों के विरूद्ध पहला अभियान 1532 का दोहरिया (दौरा) का अभियान था। जिसमें हुमायुं विजयी रहा।
- 1538 में हुमायुं ने गौड़ (बंगाल) अभियान किया। इसने बंगाल का नाम जन्नताबाद रखा।
- बंगाल अभियान से लौटते समय उसकी सेना पर शेरशाह सूरी ने 1539 में अचानक चूनार की किला के पास चौसा नामक स्थान पर हुमायूं पर आक्रमण कर दिया। हुमायूं की सेना में भगदड़ मच गयी और पराजय की स्थिति में हुमायुं घोड़ा सहित

BY KHAN SIR (मानचित्र विशेषज्ञ)

गंगा नदी में कुद गया। हुमायूं की जान शिहावुद्दीन निजाम नामक भिस्ती (मल्लाह) ने बचायी इसी कारण उसने शिबुद्दीन निजाम को एक दिन के लिए दिल्ली का शासक बनाया। इसी ने अपने एक दिन के कार्यकाल में चमड़े का सिक्का चलाया।

- ☞ इसकी जानकारी हुमायुनामा नामक पुस्तक से मिलती है। जिसकी रचना हुमायुं की बहन गुलबदन बेगम ने किया। यह पुस्तक दो भागों में हैं-प्रथम भाग में बाबार तथा द्वितीय भाग में हुमायुं की चर्चा है।
- ☞ यह मुगलकाल की एक मात्र पुस्तक है जिसकी रचना किसी महिला ने की।
- ☞ 1540 ई. में शेरशाह सूरी ने वेलग्राम (कन्नौज) के युद्ध में हुमायुं को हराया और उसे भारत छोड़ने पर विवश कर दिया और 1540 में शेरशाह सूरी ने खुद को दिल्ली का शासक घोषित कर दिया।
- ☞ भारत से निष्कासन के दौरान हुमायुं ने अपनी गर्भवती पत्नी हमिदा बानों बेगम को अमरकोट (पंजाब) के राजा वीरशाल के दरबार में छोड़कर चला गया।
- ☞ इन्हीं के दरबार में 15 अक्टूबर, 1542 को अकबर का जन्म हुआ।
- ☞ 1545 ई. में शेरशाह की मृत्यु हो गयी उसके बाद अफगानों का कोई बड़ा शासक नहीं हुआ।
- ☞ निर्वासन के दौरान हुमायूं काबुल में रहा। हुमायूं ने पुन: 1545 ई. में ईरान के शासक की सहायता से कंधार एवं काबुल पर अधिकार कर लिया।
- ☞ 1553 ई. में शेरशाह के उत्तराधिकारी इस्लामशाह की मृत्यु के बाद अफगान साम्राज्य विघटित होने लगा अत: ऐसी स्थिति में हुमायूं को पुन: अपने राज्य प्राप्ति का अवसर मिला।
- ☞ 1555 में लुधियाना के समीप मच्छीवाड़ा के युद्ध में हुमायूं ने अफगान सरदार हैवत खान तथा तातार खान को पराजित करके पंजाब जीत लिया।
- ☞ 1555 ई. में ही सरहिन्द के युद्ध (चण्डीगढ़) में हुमायूं के सेनापति बैरमखान ने अफगान सेनापति सिकन्दरशाह शूर को पराजित कर दिया।
- ☞ सरहिंद विजय के पश्चात 1555 ई. में एक बार पुन: दिल्ली के तख्त पर हुमायूं को बैठने का सौभाग्य मिला।
- ☞ हुमायुं ने दिल्ली में दिन पनाह नामक पुस्कालय बनवाया था। इसी पुस्तकालय की सीढ़ियों से गिर कर हुमायुं की मृत्यु 1556 में हो गयी।
- ☞ हुमायुं अफिम का सेबन का आदि था। यह ज्योतिष में विश्वास रखता था जिस कारण हरेक दिन अलग-अलग रंग के वस्त्र पहनता था।
- ☞ हुमायुं के दरबार में दो प्रमुख चित्रकार-मीर सैय्यद अली तथा अब्दुल समद रहते थे।
- ☞ लेनलपुल ने लिखा है हुमायूं का अर्थ होता है खुशनसिब व्यक्ति लेकिन हुमायुं जीवन भर लरखराते रहा और लरखराते हुए ही उसकी मृत्यु हो गयी।
- ☞ हुमायूं की कब्र ईरानी संस्कृति से प्रभावित है, जिसका वास्तुकार मिर्जा ग्यास बेग था। यह उसकी पत्नी हमीदा बानो बेगम की हुमायूं को अमूल्य भेंट थी। यह मकबरा दिल्ली में स्थित है।

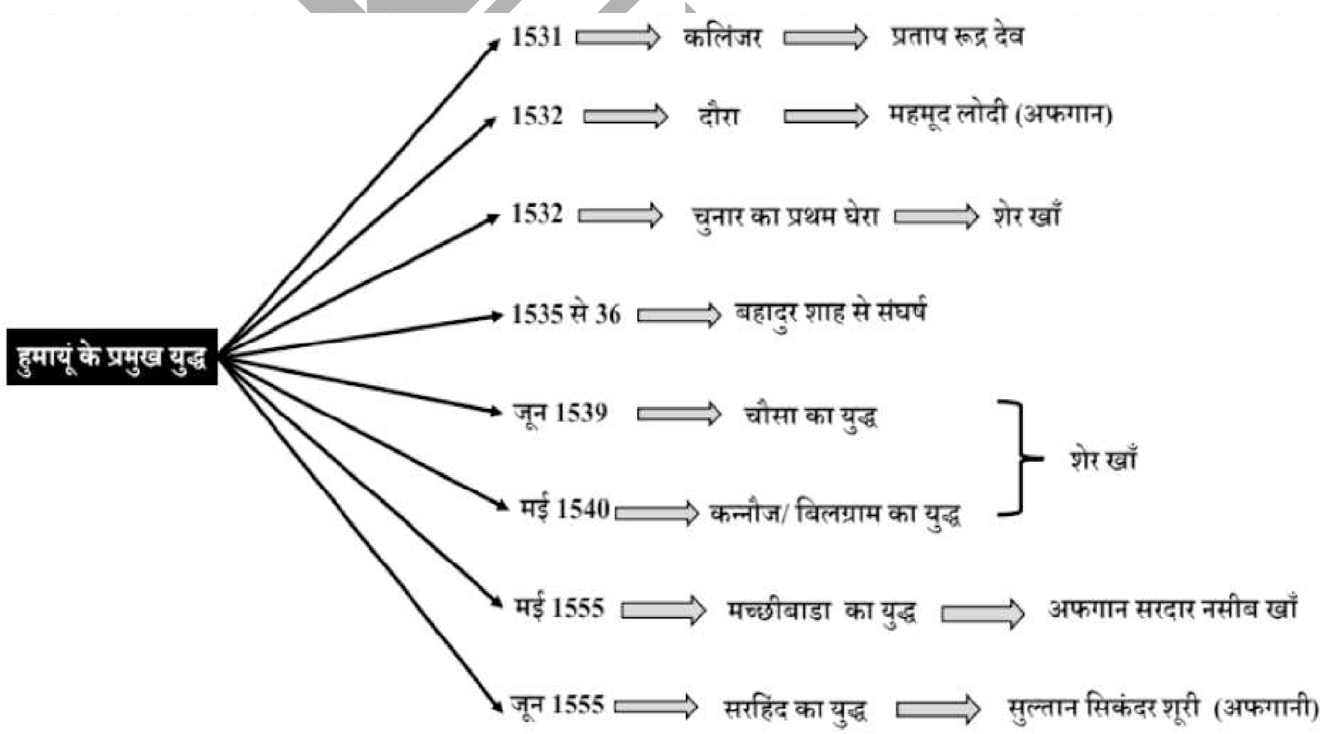

शेरशाह सूरी (1540–1545)

शेरशाह → इस्लामशाह → फीरोज शाह → मोहम्मद शाह

- शेरशाह सूरी का बचपन का नाम फरीद खान था। इसके पिता हसन अली थे, जो बिहार के जागिरदार थे और बहलोल लोदी के दरबार में कार्यरत थे।
- हसन अली के मृत्यु के बाद शेरशाह सूरी बिहार के नुमानी शासकों के दरबार में काम करने लगा।
- बहार अली नुमानी ने ही फरीद को शेरशाह सूरी की उपाधि दिया।
- शेरशाह सूरी द्वितीय अफगान वंश का संस्थापक कहा जाता है।
- शेरशाह सूरी ने जिस वंश की स्थापना किया उसे सूर वंश कहते हैं। सूर वंश की जानकारी अब्बास खान शेखानी की रचना तौफा-ए-अकबरशाही से मिलती है।
- शेरशाह सूरी को मध्यकाल में एक प्रबल प्रशासक के रूप में देखा जाता है।
- 1538 के बंगाल अभियान के बाद हुमायूं जब लौट रहा था तो 1539 में चौसा नामक स्थान पर शेरशाह ने आक्रमण कर दिया और हुमायुं को पराजित किया। 1540 के विलग्राम (कन्नौज) के युद्ध में हुमायुं को भारत छोड़ने के लिए विवस कर दिया और 1540 में दिल्ली का शासक बन गया।
- इसने हजरत-ए-आला की उपाधि धारण किया।
- 1541 ई. में शेरशाह का गक्खर जाति के लोगों से युद्ध हुआ, जिसमें शेरशाह उनकी शक्ति को खत्म तो न कर सका पर उनकी रोकथाम के लिए उसने पश्चिमोत्तर सीमा पर रोहतासगढ़ के किले का निर्माण करवाया। गक्खर लोग अपनी वीरता एवं साहस हेतु प्रसिद्ध थे एवं लूटपाट करते थे।
- शेरशाह ने 1542 ई. में मालवा पर आक्रमण कर उस पर अधिकार कर लिया।
- 1543 ई. में शेरशाह ने रायसीन पर आक्रमण किया। माना जाता है कि शेरशाह ने इस अभियान में धोखे से राजपूत शासक पूरनमल को मार डाला। पूरनमाल की मृत्यु के बाद राजपूत स्त्रियों ने जौहर कर लिया। रायसीन की यह घटना शेरशाह के चरित्र पर एक कलंक माना जाता है।
- 1544 ई. में शेरशाह सूरी ने मेवाड अभियान किया और यहां के शासक मालदेव को पराजित किया। मेवाड़ विजय कठिन होने के कारण शेरशाह सूरी ने कहा कि मैं एक मुट्ठी बाजरे के लिए पूरे भारत को खो चुका था।
- 1545 ई. में शेरशाह सूरी ने कलिंजर अभियान किया। यह अभियान एक दासी (Dancer) के लिए था। जिसे राजा कीरत सिंह ने देने से मना कर दिया था। इस अभियान के दौरान शेरशाह सूरी के सेना द्वारा छोड़े गये तोप का गोला कलिंजर की किला से टकराकर वापस शेरशाह-सूरी के समीप आ गिरा। जिससे शेरशाह सूरी की मृत्यु हो गयी। कलिंजर का वर्तमान नाम महोबा है। यह MP में है। शेरशाह सूरी को सासाराम में दफनाया गया। शेरशाह का मकबरा सासाराम में है। कनिंघम ने शेरशाह के मकबरे को ताजमहल से भी सुंदर कहा है।

- इसका बेटा इस्लामशाह योग्य था किन्तु 1553 में आकस्मिक मृत्यु हो गयी।
- इसके बाद फिरोजशाह शासक बना जिसे उसके मामा (मुबारिज खान) ने मरवा दिया।
- शेरशाह सूरी के बाद कोई भी योग्य शासक नहीं बना और इस वंश का अंतिम शासक सिकन्दर शाह सूरी था।

शेरशाह सूरी का प्रशासनिक व्यवस्था

- शेरशाह सूरी एक प्रबल प्रशासक था इसने बहुत से सुधार किये। इन सारे सुधार को अकबर ने भी अपनाया था। इसी कारण शेरशाह सूरी को अकबर का पथ प्रदर्शक (रास्ता दिखाने वाला) या अकबर का पूरोगामी शासक कहा जाता है।
- टोडरमल शेरशाह सूरी के दरबार में भी सेवा दे चुके थे।
- शेरशाह सूरी ने पाटलीपुत्र का नाम बदलकर पटना रखा। इसने Grand Trank (G.T.) Road को बनवाया किया।
- इसने किसानों से सीधा सम्पर्क स्थापित करने के लिए रैय्यतवाड़ी व्यवस्था शुरु किया। यह किसानों को रैय्यत कहकर बुलाता था।
- कर की चोरी न हो इसलिए उसने भूमि की नाप करवायी इस व्यवस्था को जाब्ती व्यवस्था कहा गया।
- इसने पट्टा एवं कबुलियत नामक नयी व्यवस्था शुरु की। पट्टा पर कर का विवरण रहता था कितना कर लिया जाएगा और किस समय लिया जाएगा।
- कबूलियत वह दस्तावेज था जिस पर किसान इस बात की सहमति देता था कि वह पट्टा में दिये गए कर को देन में सहमत है।
- भूमि की माप कराने के लिए जरिबान नामक कर लिया जाता था, जो किसान भूमि का माप नहीं कराता था उसे मुहाबिलाना नामक कर लिया जाता था।
- शेरशाह सूरी के समय जौनपुर शिक्षा का सबसे बड़ा केन्द्र था। इसे भारत का शिराज (सर का ताज) कहा जाता था।
- शेरशाह सूरी ने सोने का जो सिक्का चलाया उसे **असरफी** या **मोहरा कहा** जाता है। शेरशाह सूरी ने जो चांदी का सिक्का चलाया उसे **रुपया** कहा गया। इसके तांबे के सिक्का को दाम कहा जाता था। शेरशाह के शासनकाल में चांदी के रुपये एवं तांबे के दाम का अनुपात 1 : 64 था। इसने भूमि की जांच करने के लिए एक कानूनगो नामक अधिकारी की नियुक्ति किया।

इसने दिल्ली में किला-ए-कुहना नमक मस्जिद का निर्माण कराया। इसे ही पुराना किला के नाम से जाना जाता हैं। इतिहासकार कहते हैं कि शेरशाह सूरी के समय यदि कोई औरत आधी रात को सोना लेकर जाती है, तो कोई भी व्यक्ति उसके सोना को छुने की हिम्मत नहीं कर सकता है।

- यह इस बात की ओर इशारा करता है कि शेरशाह सूरी के समय पुलिस व्यवस्था बहुत अच्छी थी।
- इसके कठोर न्याय तथा दण्ड व्यवस्था के कारण अपराध बहुत कम होते थे।
- शरेशाह के समक्ष अमीर-गरीब मित्र, दुश्मन सभी एक समान होते थे।

जलालुद्दीन मोहम्मद अकबर (1556-1605)

- अकबर का जन्म 15 अक्टूबर, 1542 को अमरकोट के राजा वीरसाल के महल में हुआ थ। अकबर की मां हमिदा बानो बेगम थी। इसकी (धाय माँ = माहम अनगा थी)
- अकबर को बचन में अस्करी ने पाला और फिर काबुल में कामरान के पास भेज दिया (1547 से अकबर हुमायूं के साथ रहने लगा) अकबर की प्रथम पत्नी हिंदाल की पुत्री रूकैया थी।
- 1555 ई. में हुमायुं जब भारत पर पुन: आक्रमण किया और मच्छीवाड़ा का युद्ध लड़ा। इस युद्ध में हुमायुं के साथ अकबर भी भाग लिया। यह युद्ध अकबर के जीवन का पहला युद्ध था।
- 1555 में हुमायूं ने अकबर को अपना उत्तराधिकारी बनाकर लाहौर का सूबेदार बनाया।
- 1556 में जब हुमायूं की मृत्यु हुई तब अकबर पंजाब का सूबेदार था। (17 दिन तक हुमायूं की मृत्यु को गुप्त रखा गया)।
- 14 फरवरी, 1556 को पंजाब से कालानौर (गुरुदासपुर) में मिर्जा अब्बुल कासिम ने अकबर का राज्याभिषेक कराया।
- राज्याभिषेक के समय अकबर अल्पायु था अत: वैरम खान को अकबर का संरक्षक नियुक्त कर दिया गया।

- वैरन खान अकबर को लेकर आगरा की ओर बढ़ा किन्तु इससे पहले ही आदिल शाह सूरी का सेनापति हेमू आगरा पर अधिकार कर लिया। साथ ही साथ हेमू ने दिल्ली पर भी अधिकार कर लिया। हेमू दिल्ली का एक बनिया था जिसने विक्रमादित्य का उपाधि धारण किया था।
- दिल्ली में मुगल सेनापति तरवीवेग ने वैरम खां को भारत छोड़ने की सलाह दिया जिस कारण वैरम खान ने उसकी हत्या कर दी।
- 1556 के पानीपत के द्वितीय युद्ध में अकबर के सेना का नेतृत्व वैरम खान ने किया और इस युद्ध में वैरम खान ने हेमू को पराजित कर दिया।
- यह युद्ध अकबर का शासक बनने के बाद पहला युद्ध था।
- अकबर ने वैरम खान के संरक्षण में शासन आरम्भ किया जिस कारण वैरम खां अत्यधिक प्रसिद्ध हो गया।
- वैरम खान की ईमानदारी को देखकर अकबर ने उसे खान-ए-खाना की उपाधि सम्मानित किया।
- वैरम खान शिया था। जबकि दिल्ली की अधिकांश जनता सून्नि था। यही विवाद आगे चलकर युद्ध का रूप लिया और तिलवाड़ा का युद्ध (1560) में अकबर ने वैरम खान को हरा दिया और वैरम खां के आगे दो प्रस्ताव रखा-
  1. वैरम खा या तो दूर के किसी सूबा (राज्य) के सूवेदार बन जाए।
  2. वैरम खां या तो हज यात्रा पर चले जाएं।
- वैरम खान ने हज यात्रा को चुना। हज पर जाते समय गुजरात के मुबारक खां नामक व्यक्ति ने वैरम खां की हत्या कर दी।
- वैरम खां का बेटा अब्दुल रहीम था तथा उसकी पत्नी सलीमा बेगम थी। अकबर ने सलीमा बेगम से शादी कर ली।
- 1560 में अकबर जैसे ही वैरम खां के संरक्षक से मुक्त हुआ तो अपनी धाय माँ माहम अनगा के प्रभाव में आ गया और दो वर्षों तक उसके प्रभाव मे रहा। इस दो वर्ष के शासन को पेटीकोट शासन, पर्दा प्रथा का शासन, हरम दल का शासन या अतका खेल का शासन कहा गया।
- 1562 में अकबर हरम दल के प्रभाव से मुक्त हो गया।
- अकबर ने 1562 में दास प्रथा का अन्त, 1563 में तीर्थ यात्रा कर का अन्त तथा 1564 में जजिया कर का अन्त कर दिया गया।
- 1571 ई. में अकबर ने फतेहपुर सिकरी शहर की स्थापना किया। 1575 ई. में अकबर ने इबादत खाना की स्थापना फतेहपुर सिकरी में किया। इस इबादतखाना में सभी धर्मों के लोग बृहस्पतिवार के दिन इकठ्ठा होते थे और अपने अपने धर्म की विशेषता का उल्लेख करते थे। किन्तु बहुत ही जल्द यह इबादतखाना को बन्द करना पड़ा क्योंकि यहां मारपीट शुरु हो जाती थी अकबर के इस निति को सुलह-ए-कुल की निति कहा गया।
- 1578 में सभी धर्मों के लोगों के इबादत खाना में प्रवेश, अकबर ने अमीर-उल-मोमिनी की उपाधि धारण किया जो केवल खलीफा धारण करते थे।
- 1579 ई. में अकबर ने मजहर की घोषणा की। इसके तहत धार्मिक मामले में अकबर सर्वोपरि हो गया। मजहर के तहत अकबर ने धार्मिक एकाधिकार प्राप्त कर लिया। धार्मिक विवादों को राजा हल करेगा किन्तु कुरान पर राजा का कोई अधिकार नहीं होगा।
- 1582 ई. में अकबर ने दिन-ए-इलाही नामक एक नया धर्म चलाया। यह धर्म मानने के लिए कोई बाध्य नहीं था। यह लोगों की इच्छा पर था।
- दिन-ए-इलाही धर्म को मानने वाला एक मात्र हिन्दू महेशदास (बिरबल) था।

- दिन-ए-इलाही धर्म का प्रधान पुरोहित (पंडित) अबूल फजल थे। उनके धार्मिक गुरु अब्दुल लतीफ का था।

❖ **अकबर के धार्मिक जीवन पर सर्वाधिक प्रभाव–**

- 1583 ई. में अकबर ने हिजरी संवत के जगह एक नया Calender इलाही संवत जारी किया।
- अकबर के दरबार में हिन्दू धर्म के विद्वान पुरुषोत्तम तथा कुम्भनदास रहते थे।
- पारसी धर्म के विद्वान दस्तूर मेहर जी राणा रहते थे। इन्हीं से अकबर ने सूर्य नमस्कार सिखा था।
- इसाई धर्म के एकाबीबी रहते थे।
- अकबर के दरबार में जैन विद्वान हरिविजय सूरी तथा जिनचन्द्र सुर रहते थे। अकबर ने इन्हें गुरु की उपाधि दिया था।
- अकबर ने चौथे सिख गुरु राम दास को अमृतशहर की स्थापना के लिए 500 बिघा जमीन दान दिया।
- अकबर के समकालिन सूफी सन्त शीख सलीम चिश्ती थे। अकबर इनसे सर्वाधिक प्रभावित था इसी कारण अकबर ने अपने बेटे का नाम सलिम रखा। जो आगे जाकर जहांगिर के नाम से जाना गया।
- शेख सलिम चिश्ती का मकबरा फतेहपुर सिकरी में है। फतेहपुर सिकरी शहर का वास्तुकार (desinor) वहाउद्दीन थे।

❖ **मुद्रा प्रणाली :–**

- अकबर ने राम-सीता प्रकार के सिक्के चलाए। अकबर ने रुपया तथा दाम सिक्को को भी निरन्तर जारी रखा।
- 1 रुपया (अकबर) = 40 दाम
- 1 रुपया (शेरशाह) = 64 दाम
- अकबर के समय वृत्ताकार सिक्का ''इलाही'' तथा आयताकार सिक्का ''जलाली'' कहलाता था।
- 1 इलाही = 10 रुपया

❖ **अकबर के समय भू-राजस्व व्यवस्था :–**

- **जाब्ती प्रणाली : –** भूमि के माप (आकार) के आधार पर लगान (Tax) निर्धारण व्यवस्था को जाब्ती प्रणाली कहते हैं।
- **कनकूट प्रणाली :-** ऊपज के ध्यान में रखकर लगान (Tax) निर्धारण व्यवस्था को कनकूट व्यवस्था कहते हैं।
- **आईन-ए-दहसाला :-** दस वर्षों के औसत ऊपज को आधार मानकर लगान (Tax) का निर्धारण आइन-ए-दहसाला कहलाता है। यह लगान निर्धारण की एक औसत प्रणाली है। इसका श्रेय टोडरमल को जाता है।

Note : भू-राजस्व को खराज भी कहते थे यह ऊपज का 1/2 भाग (50%) से 1/3 (33%) तक रहता था।

❖ **अकबर ने भूमि को ऊपज के आधार पर चार श्रेणी में बाँटा था :-**

1.	पोजल भूमि	—	प्रतिवर्ष खेती
2.	परती भूमि	—	एक वर्ष अंतराल पर खेती
3.	चाचर भूमि	—	चार वर्ष अंतराल पर खेती
4.	बंजर भूमि	—	यहाँ खेती नहीं होती थी

❖ **अकबर ने लगान वसूली के आधार पर भूमि को चार श्रेणी में बाँटा :–**

1. खालसा भूमि :- यह सरकारी भूमि होती थी।
2. जागी भूमि :- यह मनसबदार को दी गई भूमि थी।
3. पैबाकी भूमि :- यह सरकार के अधीन रहती थी इसके द्वारा जागीदारों के घाटे की पूर्ति की जाती थी।
4. मददमाश भूमि :-यह दान में दी जाती थी।

अकबर के नवरत्न

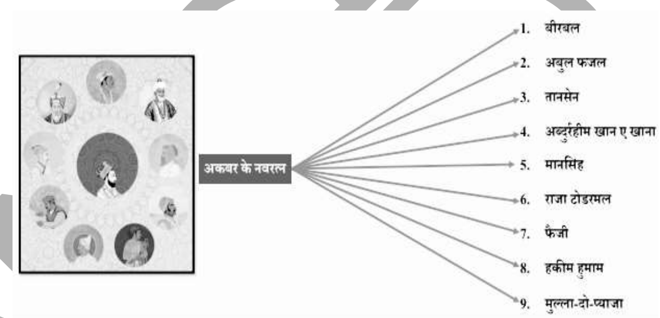

- अकबर के दरबार में विभिन्न क्षेत्र के 9 विद्वान रहते थे जिन्हें नवरत्न कहा जाता है।

1. **बीरबल** - इसका असली नाम महेश दास था। यह दिन-ए-इलाही को मानने वाले एक मात्र हिन्दू (राजपूत) थे। यह अकबर के प्रधान सलाहकार थे। इनकी मृत्यु 1586 ई. में कश्मीर के युसूफ जाई के विद्रोह को दबाते समय हो गयी। अकबर ने इन्हें कविराज व राजा की उपाधि प्रदान किया था।
2. **तानसेन** - यह अकबर के दरबार में सबसे प्रसिद्ध संगितकार थे। इनका जन्म ग्वालियर में हुआ। इनका मूल नाम (असली नाम) राम तनु पाण्डेय था। इनकी प्रमुख रचना मिया का टोपी, मियां का सारंग, मियां का मल्हार, दरबारी कन्हरा था। अकबर ने इन्हें कण्ठा भरण वाणी विलास की उपाधि दिया।
3. **मानसिंह** - यह आमेर के राजा भारमल का पोता, भगवानदास का बेटा था। अकबर ने सर्वाधिक युद्ध इसी के नेतृत्व में जीता। अकबर ने इन्हें 'अमीर-उल-उमरा' की उपाधि दिया।
4. **टोडरमल** - यह अकबर के दरबार में भूमि तथा राजस्व सुधारक थे। इन्होंने राजस्व के क्षेत्र में एक नई व्यवस्था आईने दहशाला लेकर आये। राजा टोडरमल अकबर से पहले शेरशाह के दरबार में कार्यरत थे।
5. **अबुल फजल** - यह दिन-ए-इलाही धर्म का मुख्य पुरोहित था। इसने अकबरनामा तथा आइन-ए-अकबरी पुस्तक लिखा। जिसमें अकबर की चर्चा है। यह पुस्तक सात साल में लिखी गयी। इस पुस्तक के 3 भाग है। तीसरा भाग आइने अकबरी कहलाता है। जो खुद अबुल फजल की आत्मकथा है। 1602 ई. में वीर सिंह बुन्देला ने जहांगीर के कहने पर इनकी हत्या कर दी। जब वो दक्षिण से आगरा की ओर आ रहे थे।

6. **फैजी** - अबूल फजल के बड़े भाई थे जो कवि के पद पर थे। इन्होंने गीता तथा लीलावती पुस्तक का फारसी अनुवाद किया।
7. **अब्दुल रहीम खान-ए-खाना** - यह वैरम खां का पुत्र था। अकबर ने इसे अनुवाद विभाग का प्रधान बनाया। इसने बाबर की आत्मकथा तुजुक-ए-बावरी का फारसी में अनुवाद किया और इस अनुवादित पुस्तक का नाम बाबरनामा है।
8. **मुल्ला-दो-प्याजा** - यह अरब का रहने वाला था जो प्रमुख व्यंगकार (मजाकिया) था। इसे भोजन के साथ दो प्याज खाने की आदत थी।
9. **हकीम हुकाम** - यह अकबर के दरबार में बावर्ची के पद पर थे।

Remark :- तुलसीदास अकबर के समकालिन थे। अकबार के कहने के बाद भी वे नवरत्न में शामिल नहीं हुए।

❖ **मनसबदारी व्यवस्था :–**

☞ यह अकबर की सैन्य तथा प्रशासनिक व्यवस्था थी।

☞ मनसबदार को पैदल सैनिक (जाट) तथा घुड़सवार (सवार) रखने होते थे। जिसके बदले में अकबर मनसबदारों को वेतन देता था।

☞ पैदल सैनिक (जाट) का वेतन प्रतिमाह = 3 रु

☞ घुड़सवार सैनिक (सवार) का वेतन प्रतिमाह = 20 kg

☞ मनसबदार 3 श्रेणी के होते थे।

A. प्रथम श्रेणी — 12000 सैनिक

B. द्वितीय श्रेणी — 7000 सैनिक

C. तृतीय श्रेणी — 10 – 20 सैनिक

☞ मनसबदारी की संख्या वास्तविक सैनिकों की संख्या से भिन्न रहती थी।

☞ युद्ध के समय सभी मनसबदार अपनी सेना लेकर आते थे। सर्वाधिक हिन्दु मनसबदार औरंगजेब के पास थे।

❖ **अकबर की राजपूत नीति :–**

☞ अकबर की राजपूत नीति ''दमन और समझौते'' की नीति थी।

☞ राजपूत नीति के तहत अकबर राजपूत राजाओं की सहानुभूति प्राप्त करना चाहता था।

☞ अकबर ने राजपूत राजाओं को जागीरदार तथा पैतृक जागीर भूमि पर शासन का अधिकार दिया और उनके राजा का पद भी बना रहा तथा खुद को अकबर सम्राट कहता था। किन्तु अकबर ने उन्हें स्वयं के सिक्के चलाने का अधिकार छीन लिया और उनके क्षेत्र में मुगलशाही सिक्का प्रचलन करवाया।

अकबर का सैन्य अभियान

☞ अकबर ने सर्वप्रथम 1559 में ग्वालियर अभियान किया।

☞ 1560 में अकबर ने जौनपुर अभियान किया।

☞ 1561 में चुनार तथा मालवा अभियान किया तथा इसे जीतकर मुगल साम्राज्य में मिला लिया।

☞ 1562 में आमेर पर आक्रमण किया। आमेर की राजधानी जयपुर थी और आमेर के राजा भारमल (कछवाहा राजपूत) थे।

☞ राजा भारमल एक मात्र राजपुत राजा थे जिन्होंने अकबर की अधिनता स्वेच्छा से स्वीकार किया और अपनी बेटी जोधाबाई (हरखा बाई) का विवाह अकबर से कर दिया। वे अपने बेटे भगवान दास तथा पोता मान सिंह को अकबर की सेवा में भेजा। अकबर ने जोधाबाई को मरीयम-उज्ज-जमानि की उपाधि दिया।

☞ गोंडवाना (MP) की रानी दुर्गावती (संग्राम सिंह की विधवा) ने कभी भी अकबर की अधनता स्वीकार नहीं किया। यह एक मात्र महिला थी जिसने अकबर का सर्वाधिक विरोध किया।

☞ 1564 ई. में आसफ खां ने रानी दुर्गावती को पराजित कर दिया। अंततः गोंडवाना (MP) पर अकबर का अधिकार हो गया।

☞ 1567 में अकबर ने मेवाड़ अभियान किया। इस समय मेवाड की राजधानी चित्तौड़ थी और वहां के राजा उदय सिंह थे। (मेवाड) चित्तौड़ अभियान पूरा होने से पहले ही अकबर लौट गया। पुनः अकबर ने 1576 ई. में मेवाड अभियान किया और हल्दीघाटी के युद्ध में उदय सिंह के पुत्र महाराणा प्रताप को पराजित कर दिया। अकबर की सेनापति मानसिंह थे जबकि महाराणा प्रताप का सेनापति हकीम खान शूर थे। प्रारम्भ में युद्ध महाराणा प्रताप जीत रहे थे किन्तु यह अपवाह फैलाया गया कि अकबर भी युद्ध में शामिल हो गया। जिससे मुगल सेना का मनोबल बढ़ गया। किन्तु महाराणा प्रताप जंगल में भाग गए इस प्रकार मेवाड़ अभियान अधूरा रह गया। धीरे-धीरे राणा प्रताप ने पुनः अपने अधिकांश क्षेत्र पर अधिकार कर लिया।

☞ 1572 में अकबर ने गुजरात अभियान किया इसी समय अकबर ने पहली बार समुन्द्र को देखा था। (खम्भात की खाड़ी) यहीं पर अकबर पुर्तगालियों से भी मिला था।

☞ अकबर ने जब गुजरात को हराकर वापस लौटा तो गुजरात के शासकों ने अकबर की अधिनता मानने से अस्वीकार कर दिया। इसी कारण अकबर ने पुनः 1573 ई. में गुजरात अभियान किया। यह अकबर का सबसे द्रुतगामी अभियान था। (9 दिन) इसी गुजरात विजय के उपलक्ष्य में अकबर ने फतेहपुर सिकरी में बुलन्द दरवाजा का निर्माण कराया।

☞ अकबर ने बंगाल तथा बिहार को मुगल साम्राज्य में 1576 में मिला लिया।

☞ अकबर ने 1581 में कबूल अभियान, 1586 में कश्मीर अभियान किया और इसे जीत लिया।

☞ कश्मीर के यूसूफजाई कबीले के विद्रोह में ही बीरबल की मृत्यु हो गयी।

☞ 1595 में कंधार, बलुचिस्तान भी जीत लिया।

❖ **दक्षिण भारत अभियान :–**

☞ अकबर ने दक्षिण भारत विजय के लिए अब्दुल रहीम और उसके पुत्र मुराद के नेतृत्व में सेना भेजा।

☞ अकबर दक्षिण भारत अभियान करने वाला पहला मुगल शासक था।

BY KHAN SIR (मानचित्र विशेषज्ञ)

- दक्षिण भारत के 4 प्रमुख राज्य थे।
  1. खानदेश　2. अहमदनगर　3. बीजापुर　4. गोलकुण्डा
- खान देश को दक्षिण भारत का प्रवेश द्वार कहते थे। खानदेश ने स्वत: अकबर की अधिनता स्वीकार कर लिया।
- अकबर ने अहमदनगर की शासिका चांद बीबी से युद्ध करके उससे बरार तथा अमदनगर का क्षेत्र जीत लिया।
- बीजापुर के शासक ने भी अकबर की अधीनता स्वीकार कर लिया।
- 1601 में खान देश ने विद्रोह कर दिया जिसे असीरगढ़ के युद्ध में अकबर ने विद्रोह समाप्त कर दिया। यह युद्ध अकबर ने रिश्वत देकर जीता था। असीरगढ़ का युद्ध अकबर के जीवन का अंतिम युद्ध था।
- इस प्रकार असीरगढ़, बीजापुर, अहमदनगर, खानदेश तथा बरार पर मुगलों का अधिकार हो गया।
- 1602 ई. में जहांगीर ने अपने पिता के विरुद्ध इलाहाबाद में विद्रोह कर दिया। इस विद्रोह को दबाने के लिए अकबर ने अबुल फजल को भेजा। किन्तु जहांगीर के कहने पर वीर सिंह बुन्देला ने इनकी हत्या कर दी।
- 1605 ई. में डायरिया के कारण अकबर की मृत्यु हो गयी।

  Remark — अकबर के गुरु अब्दुल लतीफ थे जो एक योग्य व्यक्ति थे किन्तु अकबर निरक्षर ही रह गया।
- फिरोज शाह तुगलक (F.S.T.) को सल्तनत काल का अकबर कहा जाता है।

नूरूद्दीन मुहम्मद जहांगीर (1605-1627)

- जहांगीर का जन्म 30 अगसत, 1569 को मरियम इजवानि (हरखा बाई (जोधाबाई) के गर्भ से हुआ। इसके बचपन का नाम सलीम था। मानबाई तथा जगत गोसाईं इसकी प्रारम्भ में दो पत्नीयां थी। जगत गोसाईं जहांगीर की अत्यधिक शराब पीने से अप्रसन्न थी जिस कारण इसने आत्महत्या कर ली।
- जहांगीर ने आगरा के किले में न्याय के लिए सोने की जंजीर टंगवायी थी जिसमें 12 घण्टीयां थी। जहांगीर न्याय के लिए प्रसिद्ध था। इसने अपराधी के नाक कान काटने और घर कुर्की का आदेश दिया।
- जहांगीर ने मद्यपान (नशा) पर रोक लगा दिया। इसने रविवार एवं बृहस्पतिवार को पशु हत्या पर रोक लगा दिया, क्योंकि रविवार को अकबर का जन्म दिन था जबकि बृहस्पतिवार को अपना राज्याभिषेक कराया था। किन्तु इस दिन यदि बकरीद का दिन हो तो पशु हत्या कर सकते हैं।
- 1606 ई. ये जहांगीर का बेटा खुसरो ने (मानसिंह के साथ मिलकर) जहांगीर के विरुद्ध विद्रोह कर दिया। इस विद्रोह में 5वें गुरु अर्जुन देव ने खुसरो की सहायता किया। जिस कारण जहांगीर ने अर्जुन देव को फांसी दे दी।
- 1615 ई. में जहांगीर ने चित्तौड़ अभियान किया और यहां के शासक अमर सिंह को पराजीत कर दिया और चित्तौड़ को मुगल साम्राज्य में मिला दिया। इस प्रकार चित्तौड़ अभियान जहांगीर के समय पुरा हुआ।

  Note :– मेवाड़ (चित्तौड़) का पहला अभियान अकबर ने 1567 ई. में किया। उस समय राजा उदयसिंह थे। दूसरा अभियान अकबर ने 1576 ई. में किया। उस समय राजा महाराणा प्रताप थे और अंतिम और तीसरा अभियान जहांगीर ने 1615 ई. में किया। उस समय राजा अमर सिंह थे।
- 1615 में जहांगीर और अमर सिंह के बीच संधि हुआ और अमरसिंह ने मुगलों की अधीनता स्वीकार कर लिया। किंतु आत्म-ग्लानि के कारण अपना सिंहासन अपने पुत्र करनसिंह को सौंपकर स्वयं वनवास धारण कर लिया।
- अकबर ने पूरी तरह से दक्षिण भारत को नहीं जीता था।
- 1616 ई. में जहांगीर ने अपने बेटा शाहजहां (खुर्रम) को दक्षिण भारत अभियान करने के लिए भेजा। खुर्रम ने बड़ी आसानी से दक्षिण भारत को जीत लिया। उसने अहमदनगर के शासक मलिक अम्बर को युद्ध में हरा दिया। इसी विजय के उपलक्ष में जहांगीर ने खुर्रम को शाहजहां की उपाधि दिया।

  Note :– मलिक अम्बर ने टोडरमल के भूराजस्व प्रणाली को लागू किया।
- 1622 ई. में कंधार के शासकों ने मुगल क्षेत्र में रहने से इंकार कर दिया। शाहजहां का काल आते-आते कंधार पूरी तरह भारत से स्वतंत्र हो गया। कंधार को भारत का प्रवेश द्वारा कहा जाता था।
- जहांगीर के शासनकाल को चित्रकला का स्वर्णकाल कहा जाता है।
- जहांगीर ने अपनी आत्मकथा में लिखा कि कोई भी चित्र चाहे वह किसी मृत व्यक्ति या जीवित व्यक्ति द्वारा बनाया गया हो, मैं देखते ही तुरंत बता सकता हूं कि यह किस चित्रकार की कृति है। यदि किसी चेहरे पर आंख किसी एक चित्रकार ने, भौंह किसी और ने बनाई हो, तो भी यह जान लेता हूं कि आंख किसने और भौंह किसने बनायी है।
- जहांगीर दूसरा ऐसा कुशल शासक था जिसने अपनी आत्मकथा लिखी। इसकी आत्मकथा का नाम तुजुक-ए-जहांगिरी था जो फारसी भाषा में लिखा गया। किन्तु जहांगीर अपनी आत्मकथा पूरा होने से पहले ही मर गया। जहांगीर की आत्मकथा को मोतविद् खान ने पूरा किया।
- जहांगीर ने अपनी प्रेयसी (प्रेमिका) अनारकली के लिए 1615 ई. में लाहौर में एक सुंदर कब्र बनवायी और जिस पर यह प्रेमपूर्ण अभिलेख लिखवाया कि-"यदि मैं अपनी प्रेयसी का चेहरा एक बार पुन: देख पाता, तो कयामत के दिन तक अल्लाह को धन्यवाद देता।"
- जहांगीर धार्मिक दृष्टि से सहिष्णु था। रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया और अपनी कलाई पर राखी बंधवायी। जहांगीर ने दीवाली के दिन जुआ खेलने की इजाजत दे रखी थी।

- जहांगीर ने सूरदास को आश्रय दिया था और उसी के संरक्षण में 'सूरसागर' की रचना हुई। (जबकि अकबर तुलसीदास को)
- जहांगीर ने एक नयी प्रथा चलायी जिसके अनुसार पुरुषों का कान-छिदवाकर मूल्यवान रत्न पहनना फैशन बन गया।
- अशोक के कौशाम्बी अभिलेख तथा समुद्रगुप्त के प्रयास प्रसस्ती अभिलेख पर जहांगीर ने भी लेख लिखवाया।

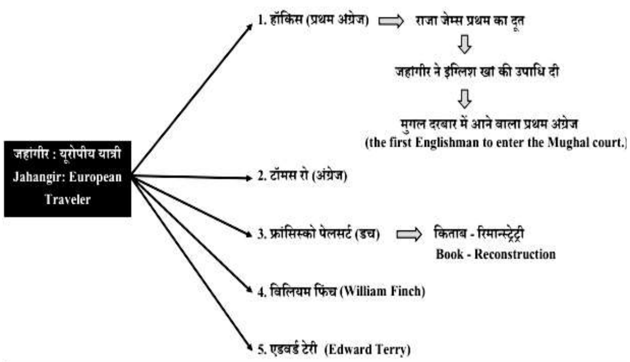

- 1608 ई॰ में इंग्लैंड के राजा जेम्स-I का राजदुत कैप्टन हॉकिन्स जहांगीर के दरबार में व्यापारिक छूट प्राप्त करने के लिए आया किन्तु जहांगीर ने उसे कोई भी छूट नहीं दिया। किन्तु उसकी योग्यता से प्रसन्न होकर उसे English खान की उपाधि दिया। हॉकिन्स के पास अकबर के नाम का पत्र था किन्तु अकबर की मृत्यु हो चुकी थी। हॉकिन्स फारसी में बात करता था।
- 1615 ई॰ में पुन: इंग्लैण्ड के राजा जेम्स-I का राजहट टॉमस रॉ जहांगीर के दरबार में व्यापारिक छूट प्राप्त करने के लिए आया। पहली बार जहांगीर ने टॉमस रॉ को ही व्यापारिक छूट दिया।
- जहांगीर के समय ही पुर्तगालियों ने भारत में सर्वप्रथम तम्बाकू की खेती प्रारंभ किया।
- 1627 ई॰ में शाहजहां ने लाहौर में जहांगीर के विरूद्ध विद्रोह कर दिया। उस विद्रोह को दबाने के लिए जहांगीर तथा नूरजहां दोनों लाहौर पहुंचे।
- जहांगीर का सेनापति महावत खान शाहजहां के साथ मिल गया और नूरजहां तथा जहांगीर को कैदी बना लिया गया। किन्तु नूरजहां के प्रयास से वे दोनों जल्दी ही कैद से मुक्त हो गये। इसी वर्ष लाहौर के शहदरा में जहांगीर की मृत्यु हो गयी। यहीं पर जहांगीर का मकबरा है। इस मकबरा को नूरजहां ने बनवाया।

नूरजहाँ

- नूरजहां का असली नाम मेहरुन निशा था।
- नूरजहां अलीकूली वेग (शेर अफगान) की विधवा थी। इसे जहांगीर के दरबार में अकबर की विधवा सलीमा बेगम की सेवा के लिए लाया गया था।
- नवरोज त्यौहार के दिन जहांगीर ने पहली बार नूरजहां को देखा और उसकी सुन्दरता को देखकर उसे नूरेमहल की उपाधि दिया। यह पारसी थी।
- 1611 ई॰ में जहांगीर ने उससे विवाह कर लिया और उसे नूरजहां की उपाधि दिया। नूरजहां जहांगीर के साथ झरोखा दर्शन देती थी। ऐसा माना जाता है कि शाही आदेशों पर बादशाह के बाद नूरजहां का भी हस्ताक्षर होता था।
- नूरजहां के भाई का नाम आसफ खां था जिसकी पुत्री मुमताज महल से 1612 ई. में शाहजहां का विवाह हुआ। नूरजहां के माता का नाम अस्मत बेगम था। इसी ने पहली बार गुलाब से इत्र निकालने की खोज की। नूरजहां के पिता का नाम ग्यासबेग था, जिसे जहांगीर एतमाउद्दौला की उपधि दिया।
- नूरजहां ने आगरा में एतमतुद्दौला का मकबरा बनवाया यह भारत में बेदाग सफेद संगमरमर से बनने वाला पहला मकबरा था। इसी में पहली बार इटली की पिएट्रा डोरा शैली का प्रयोग हुआ।

शिहाबुद्दीन मोहम्मद शाहजहां (1627-1657)

- शाहजहाँ का जन्म 5 Jan. 1592 को लाहौर में जगत गोसाई के गर्भ से हुआ था।
- शाहजहां के बचपन का नाम खुर्रम था।

- 1612 ई. में शाहजहाँ का विवाह नूरजहां के भाई आसफ खान की पुत्री अर्जुमन्द बानो बेगम से हुआ जिसे मुमताज महल कहा जाता है। शाहजहाँ ने इसे मल्लिका-ए-जमानी की उपाधि दिया।
- मुमताज महल के 14 संतान हुए। जिसमें से 7 संतान जीवित थे। इनकी मृत्यु 1631 में 14वें संतान के प्रसव पीड़ा के कारण हुयी।
  1. दारा शिकोह 2. शाहशुजा 3. औरंगजेब 4. मुरादबख्स 5. जाहांआरा 6. रोशन आरा 7. गौहर आरा।
- मुमताज महल की कब्र पर मुमताज महल बनाया गया इसे ही ताजमहल कहते है।

- ताजमहल के वास्तुकार उस्ताद अहमद लहौरी थे। जबकि ताजमहल को इशा खां के देख रेख में बनाया गया और शाहजहां के समय माहाषा का शासक खान-ए-जहां लोदी ने विद्रोह किया। किन्तु शाहजहां ने उनके विद्रोह को दबाकर उनकी हत्या कर दी।
- शाहजहां का संघर्ष पुर्तगालियों से हुआ। शाहजहां ने पुर्तगाली व्यापारिक कोठी हुगली पर अधिकार कर लिया।
- शाहजहां का 6वें सिख गुरु हरगोविन्द के साथ ही शिकार करने के लिए संघर्ष हुआ।
- शाहजहां ने दक्षिण भारत अभियान की जिम्मेदारी औरंगजेब को दे दिया और औरंगजेब ने बड़ी की कुशलता पूर्वक अहमदनगर, बरार, तेलंगना तथा खान देश को जीत लिया। शाहजहां ने औरंगजेब को दक्षिण भारत का सूबेदार बनाया और औरंगजेब ने अपना केंद्र महाराष्ट्र के औरंगाबाद को बनाया।

BY KHAN SIR (मानचित्र विशेषज्ञ)

- बुदेला सरदार जुझार सिंह ने शाहजहां से विद्रोह कर दिया किन्तु शाहजहां ने विद्रोह दबा दिया।
- अफगान सेनापति खान-ए-जहां लोदी ने विद्रोह किया किन्तु शाहजहां ने इस विद्रोह को भी दबा दिया।
- शाहजहां के समय अफगानिस्तान तथा मध्य एशिया पूरी तरह स्वतन्त्र हो गया।
- शाहजहां ने अपने कर्मचारियों वार्षिक वेतन के स्थान पर मासिक वेतन देना प्रारंभ किया।
- शाहजहां ने अपनी राजधानी आगरा से दिल्ली लाया।
- शाहजहां के समय को स्थापत्यकला का स्वर्णकाल कहा जाता है क्योंकि इसमें वास्तुकला के क्षेत्र में बहुत से इमारत बनवाए; जैसे दिल्ली का लाल किला, दिल्ली का जमा मस्जिद आगरा में ताजमहल, आगरा के लाल किला में मोती मस्जिद, लाहौर में शीश महल।

  Remark :– दिल्ली के लाल किला में मोती मस्जिद का निर्माण औरंगजेब ने करवाया।
- शाहजहां ने राजधानी आगरा को दिल्ली लेकर आया। इसने लाल किला में दिवान-ए-आम तथा दिवाने-ए-खास की स्थापना किया।
- दिवाने-आम में साधारण मुद्दे जबकि दिवाने-खास में महत्त्वपूर्ण मुद्दे सुलझाए जाते थे।
- शाहजहां ने मयुर सिंहासन (तख्त-ए-ताऊस) बनवाया था। जिसपर कोहिनूर हीरा लगा हुआ था। यह मयुर सिंहासन दिवाने-आम में रखा रहता था। मयूर सिंहासन का वास्तुकार बादल खां था।

  Remark :– मयुर सिंहासन पर बैठने वाला अंतिम मुगल शासक मोहम्मद शाह था।
- शाहजहां ने अकबर द्वारा चलाए गये इलाही संवत् के स्थान पर पुन: हिजरी कैलेण्डर को लागू करवाया।
- शाहजहां ने अकबर द्वारा चलाए गये, झरोखा-दर्शन तथा तुलादान प्रथा पर रोक लगा दिया।
- शाहजहां ने अपने जीवन के समय में ही दारा शिकोह को अपना उत्तराधिकारी नियुक्त किया था।
- शाहजहां जब बिमार पड़ा तो यह अफवाह फैल गयी थी कि शाहजहां की मृत्यु हो गयी। अत: पुत्रों में उत्तराधिकार के लिए युद्ध हुआ।
- **उत्तराधिकार के लिए चार युद्ध हुए–**

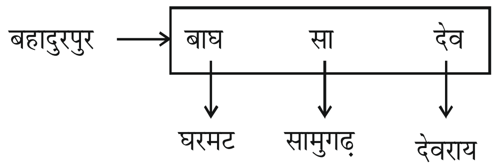

- **बहादुरपुर का युद्ध (बनारस) :–** यह युद्ध Feb. 1658 ई० में हुआ इस युद्ध में दारा शिकोह के पुत्र सुलेमान ने शाहशुजा को पराजित कर दिया।
- **घरमट का युद्ध (उज्जैन) :–** यह युद्ध Apr. 1658 में औरंगजेब एवं दारा शिकोह के बीच हुआ। जिसमें औरंगजेब जीत गया।
- **सामुगढ़ का युद्ध (आगरा) :–** यह युद्ध June 1658 में औरंगजेब एवं दारा शिकोह के बीच हुआ। इस युद्ध में भी औरंगजेब जीत गया और आगरा में अपना राज्याभिषेक कराया।
- इस युद्ध को जीतने के बाद औरंगजेब शाहजहां को बन्दी बना दिया और उसे यमुना नदी के किनारे आगरा के किला में कैद कर दिया। उसे खाने में केवल एक फसल देने को कहा जिस पर शाहजहां ने चना माँगा था।
- 1666 ई० में शाहजहां की मृत्यु हो गयी। यह मुगल सल्तनत वंश एक मात्र शासक था जिसका अंतिम संस्कार नौकर-चाकर ने किया। इसे ताजमहल में दफना दिया गया।
- **देवराय का युद्ध (अजमेर)** - यह युद्ध Apr. 1659 ई० में औरंगजेब एवं दारा शिकोह के बीच हुआ। इस युद्ध में भी औरंगजब जीत गया और दारा शिकोह की हत्या कर दिया। इस युद्ध को जीतने के बाद औरंगजेब ने दिल्ली में अपना दुबारा राज्याभिषेक कराया। इसप्रकार F.S.T. के बाद औरंगजेब ऐसा दुसरा शासक हुआ जिसने अपना राज्याभिषेक दो बार करवाया।
- दारा शिकोह को इतिहासकार लेनपुल ने साम्प्रदायिक उदारता के कारण लघु अकबर कहा।
- जहांआरा ने युद्ध में औरंगजेब का साथ दिया वे जीवन भर कुंवारी रह गयी।

आलमगीर औरंगजेब (1658–1707)

- औरंगजेब का जन्म 1618 ई० में मुमताज महल के गर्भ से हुआ। जबकि औरंगजेब का अधिकांश समय अपनी दादी नूरजहाँ के पास बीता।
- औरंगजेब का विवाह फारस (Iran) की राजकुमारी दिलरास बानो बेगम (रबिया बीबी) से हुआ ।
- औरंगजेब ने अपना राज्याभिषेक दो बार करवाया ।
  (1) सामुगढ़ विजय (1658) के बाद
  (2) देवराय विजय (1659) के बाद।
- इसके समय मुगलसत्ता अपने चरमोत्कर्ष पर थी। औरंगजेब धार्मिक रूप से कट्टर था।
- इसने इस्लामिक नियम कानून को बड़े कठोरता से अपने साम्राज्य में लागू किया और यह आदेश दिया कि मुगलकाल में बने सारे मन्दिर को तोड़ दिया जाएगा। इसी क्रम में उसने वीर सिंह बुन्देला द्वारा मथुरा में बनाए गये केशव नारायण मन्दिर को तोड़ दिया। जिस कारण जाटो ने औरंगजेब विरूद्ध विद्रोह कर दिया।

BY KHAN SIR (मानचित्र विशेषज्ञ)

- जाटों के विद्रोह का नेतृत्व गोकुला ने किया।
- औरंगजेब ने 1670 ई॰ में तिलपत के युद्ध में गोकुला की हत्या करवा दिया।
- गोकुला के बाद जाट विद्रोह का नेतृत्व राजाराम ने किया।
- राजाराम ने सिकन्दरा में स्थित अकबर के कर्ब को लूट लिया और उसके अस्थियों को आग लगा दिया। जिस कारण औरंगजेब ने उसकी हत्या कर दी।
- राजाराम के बाद जाट विद्रोह का नेतृत्व चुड़ामन ने किया। इसके बाद जाट विद्रोह स्वत: समाप्त हो गया।
- औरंगजेब ने मीर जुमला को भेजकर कूचबिहार, असम तथा आराकाम जीत लिया।
- औरंगजेब ने शाइस्ता खां को भेजकर बंगाल जीत लिया तथा पुर्तगालियों को दण्ड दिया और उनसे सोनद्वीप छिन लिया। साथ ही आराकाम के राजा से चटगांव जीत लिया।

❖ **बीजापुर पर अधिकार :–** औरंगजेब ने बीजापुर जीतने के लिए जयसिंह, बहादुर खान, दिलेर खान को भेजा किन्तु वे लोग सफल नहीं हुए। अत: औरंगजेब स्वयं आक्रमण करके बीजापुर को जीत लिया।

❖ **गोलकुण्डा पर अधिकार :–** औरंगजेब ने गोलकुण्डा जीतने के लिए मुअज्जम को भेजा किन्तु इसे सफलता नहीं मिली। बाद में औरंगजेब ने स्वयं गोलकुण्डा पर विजय हासिल किया।

- औरंगजेब के विद्रोही पुत्र अकबर-II को 9वें गुरु तेगबहादुर ने संरक्षण दे दिया जिस कारण औरंगजेब ने दिल्ली के चांदनी चौक पर उनसे इस्लाम कुबुल करने को कहा और उन्होंने इस्लाम कुबुल नहीं किया तो औरंगजेब ने उनकी हत्या उसी स्थान पर कर दी। जहां आज शीशगंज गुरूद्वारा है।
- अकबर-II को शिवाजी का पुत्र सम्भा जी ने भी संरक्षण दिया। जिस कारण औरंगजेब ने सम्भा जी को खाल उधेरकर भूसा भर दिया और बीच चौराहे पर टांग दिया। और अपने पुत्र अकबर द्वितीय का आंख निकाल लिया।
- औरंगजेब का सर्वाधिक विरोध दक्षिण भारत में मराठा शिवाजी ने किया।
- औरंगजेब ने शिवाजी के विरुद्ध साहिस्ता खां को भेजा। किन्तु शिवाजी ने साहिस्ता खां की हत्या कर दी।
- 1665 ई॰ में औरंगजेब ने राजा जय सिंह को शिवाजी को हराने के लिए भेजा। जय सिंह ने शिवाजी को पराजीत करके पुरन्दर की संधि किया। इस संधि के तहत शिवाजी औरंगजेब से मिलने 1666 ई॰ में आगरा पहुंचे। किन्तु औरंगजेब ने उन्हें धोखे से कैद करके जयपुरी महल में कैद कर दिया। शिवाजी बहुत जल्द भेस बदलकर वहां से भाग गये।
- 1679 ई॰ औरंगजेब ने दक्षिण भारत में पुन: जजीया कर लगा दिया।
- औरंगजेब को जिन्दा पीर कहा जाता है।
- औरंगजेब सुन्नी मुसलमान था। यह कट्टर तथा रूढ़िवादी था।
- इसने हिन्दुओं को दान में दी गयी भूमि को (खालसा भूमि) में बदल दिया।
- 1667 ई॰ में औरंगजेब ने झरोखा दर्शन पर प्रतिबन्ध लगा दिया। 1680 ई॰ में औरंगजेब ने तुलादान पद्धति पर प्रतिबन्ध लगा दिया।

  Note :– हुमायूं ने जनता की समस्या सुनने के लिए झरोखा दर्शन प्रारम्भ किया जिसे अकबर ने सुचारू रूप दिया।

  Note :– अकबर तुलादान व्यवस्था के तहत स्वयं के भार के बराबर दान गरीब को देता था।
- इसने सोना-चांदी के वस्तु के उपयोग पर रोक लगा दिया तथा मुद्रा पर से कलमा हटवा दिया।
- औरंगजेब ने संगीत पर प्रतिबन्ध लगा दिया किन्तु खुद औरंगजेब विणा का अच्छा जानकार था।
- औरंजगब के समय मुगल सम्राज्य का सर्वाधिक विकास हुआ। इसके काल में मुगल अपने चरमोउत्कर्ष पर थे। सर्वाधिक हिन्दु मनसबदार औरंगजेब के समय थे।
- औरंगजेब दार-उल-हर्ष को दार-उल-इस्लाम (काफिर) में बदलना चाहता है।
- धार्मिक मामले की देख-रेख के लिए मोहदसिब नामक अधिकारी को नियुक्त किया गया।
- 1707 ई॰ में औरंगजब की मृत्यु हो गयी और उसे औरंगाबाद में दफनाया गया।
- औरंगजेब ने अपनी बेगम दिलराश बानो बेगम के लिए औरंगाबाद में बीवी का मकबरा बनाया। इसे द्वितीय ताजमहल तथा ताजमहल की घटिया नकल कहा जाता है।
- औरंगजेब के मृत्यु के बाद मुगल साम्राज्य का पतन प्रारम्भ हो गया। क्योंकि औरंगजेब के बाद कोई भी शासक योग्य नहीं था।

  Note : MBT (मोहम्मद बिन तुगलक) तथा औरंगजेब की दोषपूर्ण दक्षिण भारत की नीति में इनके साम्राज्य के पतन का कारण बनी।

उत्तर मुगलकाल

- औरंगजेब के बाद के काल को उत्तर मुगल काल के नाम से जाना जाता है। इस काल में कोई भी शासक योग्य नहीं था।

बहादुर शाह (1707–12)

- इसे साहे बेखबर के नाम से जाना जाता है क्योंकि इसे अपने राज्य के कुल क्षेत्रफल के बारे जानकारी नहीं थी। इसका नाम मुअज्जम था। यह जिस वर्ष शासक बना उस वर्ष उसकी आयु 63 वर्ष थी। अत: यह सबसे अधिक उम्र में शासक बना था।
- यह अन्तिम मुगल शासक था जिसके बारे में कुछ अच्छा कहा जा सकता है।
- इसने राजा जयसिंह को सवाई राजा का उपाधि दिया।
- 1712 ई॰ में इसकी मृत्यु हो गयी।

BY KHAN SIR (मानचित्र विशेषज्ञ)

जहांदार शाह (1712–13)

- इसे लम्पट मुर्ख कहा जाता था, क्योंकि यह अत्यधिक दान देता था। यह सैय्यद बन्धु के सहायता से शासक बना था।
  Remark : सैय्यद बन्धु को नृप (राजा) निर्माता कहा जाता है।

फरुखसियर (1713–19)

- इसने सय्यद बन्धुओं की सहायता से जहांदार शाह की हत्या कर दी इसे घृणित कायर कहा जाता है। क्योंकि इसने शासक बनने के लिए जहांदार शाह की हत्या कर दिया था।
- 1717 ई० में फरुखसियर को चेचक हो गया था जो ठीक नहीं हो पा रहा था।
- एक अंग्रेज डा० हेमिल्टन ने उसका इलाज किया जिससे की वह ठिक हो गया। अत: वह खुश होकर अंग्रेजों को बंगाल के हित में ₹ 3000 प्रतिवर्ष कर लेकर व्यापार करने की छूट दे दिया। इसे इतिहास में अंग्रेजी शासन का मैग्नाकाटर कहा जाता है। मैग्नाकाटा का अर्थ होता है बहुत बड़ा धोखा पत्र जिससे की पूरी स्थिति बदल जाए।
- 1717 ई० में ही इसने मराठा पेशवा बालाजी विश्वनाथ से एक संधि किया और **क्षत्रपति** के पद को **(मराठा राज्य)** मान्यता दिया। इस संधि को मराठा साम्राज्य का मैग्नाकाटा कहा जाता है।

मोहम्मद शाह (1719–48)

- इसे रंगीला बादशाह कहा जाता है, क्योंकि इसे नाच गाना अत्यधिक पसन्द था। इसका मूल नाम रौशन अख्तर था। इसके समय मुगल साम्राज्य का बिखराव तेजी से प्रारम्भ हो गया और इसी क्रम में मुर्शी कुली खां ने स्वतन्त्र बंगाल, शआदत खां स्वतन्त्र अवध निजामूल मुल्क ने स्वतन्त्र हैदराबाद की स्थापना कर दिया।
- 1737 ई० में मराठा पेशवा बाजीराव-I ने मात्र 500 घुड़सवार लेकर दिल्ली पर आक्रमण कर दिया और मोहम्मद शाह से अत्यधिक धन लिया और उससे यह वचन दिया की विदेशी आक्रमण के समय वह उसकी मदद करेगा।
- 1789 में इरान तथा एशिया का नेपोलियन नादिर शाह ने दिल्ली पर आक्रमण कर दिया। इसे दिल्ली पर आक्रमण करने के लिए शआदत खान ने प्रेरित किया था। नादिर शाह कोहिनूर हीरा तथा मयूर सिंहासन को अपने साथ लेकर चला गया। इस प्रकार मयूर सिंहासन पर बैठने वाला अंतिम मुगल शासक मोहम्मद शाह था।
- 1748 ई० में मोहम्मद शाह की मृत्यु हो गयी।

अहमद शाह (1748–54)

- इसके समय पहली बार अफगान सेनापति अहमद शाह अब्दाली ने 1748 ई० में पंजाब पर आक्रमण किया। इसके समय मुगल अर्थ व्यवस्था इतनी कमजोर हो गयी कि अपने सैनिकों तथा अधिकारियों को वेतन देने के लिए मुगल दरबार के सामानों की बिक्री करना पड़ा।
- इसके समय सैनिकों ने विद्रोह कर दिया और इसे अंधा बनाकर जेल में डाल दिया।

आलमगीर-II (1754–59)

- इसके समय 1757 में प्लासी का युद्ध हुआ। इस युद्ध में लार्ड क्लाईव ने सिराजुद्दौला को पराजित कर दिया।
- इस युद्ध के बाद अंग्रेजों को भारत में शासन करने का एक सुनहरा मौका मिल गया।

शाह आलम-II (1759–1817)

- उत्तर मुगलकाल में इसका कार्यकाल सबसे लम्बा था। इसके समय 1761 का पानीपत का तीसरा युद्ध हुआ। इस युद्ध में अफगान सेनापति अहमद शाह अब्दाली ने मराठों को पूरी तरह पराजित कर दिया।
- इसी के समय 1764 को बक्सर का युद्ध हुआ। इस युद्ध में अंग्रेजी सेना का नेतृत्व हेक्टर मुनरो कर रहा था। हेक्टर मुनरो ने शाह आलम-II के नेतृत्व में बनी तिलगुट सेना को पराजित कर दिया।
- इलाहाबाद की संधि (1765) के तहत शाहआलम-II ने अंग्रेजों को बिहार, बंगाल एवं उड़िसा की दिवानी (राजस्व कर) सौंप दी। इसी प्रकार बंगाल के क्षेत्र में द्वैध शासन प्रारम्भ हो गया।
- इलाहाबाद के संधि के तहत ही शाह आलम-II को अंग्रेजों का पेंशन भोगी बना दिया गया। अंग्रेजों ने शाहआलम-II को अपने संरक्षण में ले लिया।

अकबर-II (1817–37)

- यह अंग्रेजों के संरक्षण में शासक बनने वाला पहला मुगल शासक था। यह भी अंग्रेजों का पेंशन भोगी था। अंग्रेजों ने इसके पेंशन को कम कर दिया। अत: इसने अपने पेंशन को बढ़वाने के लिए राम मोहन राय को लंदन भेजा और उन्हें राजा की उपाधि दिया। अत: वे राजा राम मोहन राय के नाम से जाने जाते हैं।

बहादुर शाह-II (जफर) (1837–57)

- यह जफर नाम की पत्रिका जिखता था। जिस कारण इसका नाम बहादुर शाह जफर पड़ा।
- यह भी अंग्रेजों के संरक्षण में शासक बना।
- इसने 1857 की क्रांति में भारतीय सैनिकों का नेतृत्व कर दिया। अत: अंग्रेजों ने इसे हूमायू के मकबरे के समीप पकड़ लिया ओर उसके सामने उसके दोनों बेटों की हत्या कर दिया और उसे वर्मा की राजधानी रंगून निष्काषित कर दिया।
- रंगून में ही बहादुर शाह जफर का मकबरा है।
- बहादुर शाह जफर अपने जीवन काल में ही दिल्ली में अपना मकबरा बनवाया था। किन्तु यह मकबरा खाली रह गया, क्योंकि बहादुर शाह को रंगून भेज दिया।
- बहादुर शाह जफर अंतिम मुगल शासक था।

BY KHAN SIR (मानचित्र विशेषज्ञ)

मुगलकालीन प्रशासनिक व्यवस्था

- मुगलवंश की शुरुआत बाबर से हुई। किन्तु बाबर अधिक समय तक शासन नहीं किया और जितना समय शासन किया। वह युद्ध में फंसा रहा। अत: बाबर ने प्रशासनिक क्षेत्र में कोई विशेष कार्य नहीं किया।
- हुमायू की शुरुआत का शासन अच्छा था। किन्तु शेरशाह ने उसे भारत छोड़ने पर विवश कर दिया और जब हुमायू लौटा तो कुछ ही दिन बाद उसकी मृत्यु हो गयी। अत: उसने भी प्रशासनिक क्षेत्र में कोई विशेष कार्य किया।
- मुगल प्रशासनिक व्यवस्था की वास्तविक शुरुआत अकबर के समय में हुआ। अकबर ने लगभग सभी क्षेत्र में सुधार किया।
- अकबर ने प्रशासनिक सुधार से पहले सामाजिक सुधार पर जोर दिया और उसने दास प्रथा, जजिया कर, तीर्थ यात्रा कर को समाप्त कर दिया।
- भूमि सुधार के क्षेत्र में अकबर ने टोडरमल के सहयोग से आइने दहशाला पद्धति लाया। जो दस वर्षों के लिए थी।
- अकबर ने सैन्य क्षेत्र में एक नई व्यवस्था मनसबदारी व्यवस्था लाया।
- अकबर के धर्म निरपेक्षता की निति अपनाते हुए शासन किया।
- अकबर ने अपनी राजधानी आगरा से फतेहपुर सिकरी बनवायी।
- अकबर ने राजपूत नीति के तहत राजपूतों को भी राजा स्वीकार किया। इसने सैन्य क्षेत्र में मनसबदारी व्यवस्था लायी तथा इसने सैन्य अभियान के साथ-साथ कुटनीति पर भी बल दिया।
- अकबर किसी भी व्यक्ति को कोई पद अधिक समय तक नहीं देता था। उसने सर्वाधिक प्रधानमंत्री बदले हैं।
- जहांगीर ने प्रशासनिक क्षेत्र में सुधार के लिए न्याय व्यवस्था पर अत्यधिक बल दिया और न्याय की एक जंजीर टंगवाई। जहांगीर ने सैन्य क्षेत्र में नई व्यवस्था सिंह-आश्पा तथा दो-आश्पा नामक प्रणाली लाया। जिस सैनिक के पास दो घोड़े रहते थे उन्हें दो-आश्पा तथा जिसके पास दो से अधिक घोड़े रहते थे उन्हें सिंह-अश्पा कहा गया।
- शाहजहां के समय विद्रोह बहुत अधिक हुआ जिस कारण वह प्रशासनिक सुधार पर ध्यान नहीं दे सका।
- औरंगजेब ने धार्मिक कट्टरता की नीति अपनाई तथा इसने पुन: जजिया कर प्रारम्भ किया। इसने संगीत तथा चित्रकला पर प्रतिबन्ध लगा दिया।
- औरंगजेब ने मोहत्सिव नामक एक अधिकारी की नियुक्ति किया। जो यह देखता था कि लोग शरीयत (इस्लाम) के अनुसार जी रहे हैं या नहीं।
- फरुखसीयर ने मुगलों के पतन का रास्ता खोल दिया क्योंकि इसने मराठाओं एवं अंग्रेजों को मान्यता दे दिया।
- उत्तर मुगल काल में मोहम्मद शाह ने जजिया कर को पूर्णत: समाप्त कर दिया।
- शाह आलम-II ने इलाहाबाद की संधि के तहत बिहार, बंगाल तथा उड़िसा की दिवानी अंग्रेजों को दे दी। इसी के समय मुगल अंग्रेजों के अधीन होने लगा और बहादुर शाह द्वितीय के समय मुगलों के क्षेत्र पर अंग्रेजों का अधिकार हो गया।

मुगलकालीन स्थापत्य कला

- भवन, मकबरा तथा बाग बगीचे के निर्माण की विभिन्न शैलियों को स्थापत्य या वास्तुकला कहते हैं।
- मुगलों के आने से ही भरत में गुम्बज तथा मेहराब बनना प्रारंभ हुआ।
- मुगल वास्तुकला का प्रारम्भ बाबर के समय से ही चालू हो गया। बाबर को चार बाग शैली का जनक माना जाता है। चारबाग शैली में बाबर ने आगरा में अरामबाग का निर्माण करवाया।
- बाबर ने बाग बगिचे के सिंचाई के लिए नहरों का प्रयोग करता था। बाबर ने अयोध्या में बाबरी मस्जिद का निर्माण करवाया था।
- हुमायूं ने दिल्ली में दिन पनाह नामक पुस्तकालय का निर्माण करवाया, जबकि हुमायूं की बहन गुलबदन बेगम ने दिल्ली में हुमायूं का मकबरा बनवाया। इसे लाल-ताजमहल के नाम से जाना जाता है।
- अकबर ने फतेहपुर सिकरी में बुलन्द दरवाजा, आगरा का लालकिला तथा ईलाहाबाद का किला का निर्माण करवाया।
- जहांगीर के समय नूरजहां ने एतमातुद्दौला का मकबरा बनवाया।

Remark :– सफेद बेदाग संगमरमर तथा इटली की पिएट्रा-डोरा शैली का प्रथम प्रयोग इसी मकबरा निर्माण में हुआ था।

Remark :– मुगलकालीन स्थापत्य कला में गोलगुम्बद से मुक्त भवनों का निर्माण हुआ।

- शाहजहां स्थापत्य कला में अधिक रुचि लेता था। इसके काल को स्थापत्य कला का स्वर्ण काल कहते हैं। इसने दिल्ली में जमा मस्जिद तथा लाल किला का निर्माण करवाया।
- इसने आगरा में ताजमहल का निर्माण कराया। ताजमहल भारत का सबसे बड़ा मकबरा है।
- पिएट्रा-डोरी शैली का प्रयोग ताजमहल में भी हुआ है।

Remark :– आगरा के किला के अंदर स्थित मोती मस्जिद का निर्माण शाहजहां ने करवाया, जबकि दिल्ली में लाल किला में स्थित मोति मस्जिद का निर्माण औरंगजेब ने करवाया।

- औरंगजेब ने औरंगाबाद में बीबी का मकबरा बनवाया। जिसे द्वितीय ताजमहल या ताजमहल का घटिया नकल कहते हैं।
- अंतिम मुगल बादशाह बहादुर शाह (जफर-II) ने दिल्ली में अपना मकबरा बनवाया था किन्तु अंग्रेज ने उसे पकड़कर उसे निष्कासित कर दिया। इस प्रकार उसका मकबरा खाली रह गया।

मुगलकालिन चित्रकला

- मुगलकालिन चित्रकला बाबर के समय प्रारम्भ थी। बाबर के दरवारों में वेहजाद नामक चित्रकार से जिनहें पूरब का राफेल कहा जाता है।

Remark :- राफेल एक यूरोपीय चित्रकार था। जिसने पुनर्जागरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभया।

- हुमायूं के दरबार में मीर सैय्यद अली तथा अब्दुल समद नामक चित्रकार थे।
- अकबर के दरबार में दसवन्द तथा बसावन नामक प्रसिद्ध चित्रकार थे। दसवन्द सबसे प्रमुख चित्रकार था। जिसकी सबसे प्रमुख चित्रकारी ध्यानदाने तैगुरिया थी।
- जहांगीर के काल को चित्रकला का स्वर्ण काल कहा जाता था।

जहांगीर कहता था कि यदि किसी चित्र की कई लोगों ने मिलकर बनाया हो तो मैं बड़े आसानी से यह बता सकता हूँ कि उस चित्र का कौन-सा भाग किसने बनाया है। इसके दरबार में विसन दास मोहर तथा मंसुर नामक चित्रकार थे।

- शाहजहां के समय चित्रकला का विकास कम हुआ। इसके समय सर्वाधिक विकास स्थापत्य कला का हुआ।
- शाहजहां के काल में स्थापत्य कला का अधिक विद्रोह हुआ।
- औरंगजेब ने चित्रकला पर यह कहकर प्रतिबन्ध लगा दिया कि चित्रकला इस्लाम के खिलाफ है। साथ ही उसने सिकन्दरा में स्थित अकबर के मकबरा से चित्रकला को मिटवा दिया।

मुगलकाल में आए विदेशी यात्री

1. **राल्फ फिन्च :–** यह एक अंग्रेज था जो अकबर के समय आया था। इसी ने अकबर को गुजरात अभियान के समय समुन्द्र दर्शन करवाया।
2. **कैप्टन हाकिंस :–** यह भी एक अंग्रेज था जो 1608 ई० में जहांगीर के दरबार में आया। इसका उद्देश्य जहांगीर से व्यापारिक छूट प्राप्त करना था। किन्तु जहांगीर ने इसे कोई भी छूट नहीं दिया। किन्तु इसके योग्यता से खुश होकर इसे खान की उपाधि दिया। अत: इसे इंग्लिश खान कहते हैं।
3. **टामस रो :–** यह भी एक अंग्रेज था। 1615 ई० में जहांगीर के समय आया। सर्वप्रथम इसी को जहांगीर ने कुरु व्यापारिक छूट दिया।
4. **पियेत्रा देलावेला :–** यह इटली का रहने वाला था। ये जहांगीर के समय आया था।
5. **डेवेरनियर :–** यह फ्रांस का रहने वाला था और शाहजहां के समय आया था। यह अंग्रेज था तथा पेशे से जौहरी (सोनार) था।
6. **वर्नियर :–** यह एक अंग्रेज था। जो शाहजहां तथा औरंगजेब दोनों के समय आया था। इसने मुगलकाल में उत्तराधिकार के युद्ध को देखा था।
7. **मनूची :–** यह एक अंग्रेज था। जो औरंगजेब के समय आया था। यह पेशे से एक तोप्ची (तोप चलाने वाला) औरंगजेब ने इसे सेना में रख लिया।

मुगल शासकों का मकबरा

बाबर	आगरा - काबूल वर्तमान में)
हूमायूं	दिल्ली
जहांगीर	लाहौर (सहदरा)
अकबर	सिकन्दरा (फतेहपुर सिकरी)
शाहजहां	आगरा (ताजमहल)
औरंगजेब	औरंगाबाद
बहादुर शाह जफर	रंगून (वर्मा)

- शेष मुगल राजाओं का मकबरा दिल्ली में हूमायुं के मकबरा के समीप है।

मुगल शासकों के असली नाम

बाबर	जहीरूद्दीन-मुहम्मद-बाबर
हूमायूं	नसीरूद्दीन-मुहम्मद-हुमायूं
जहांगीर	नुर-उ-द्दीन-मुहम्मद-जहांगीर
अकबर	जलालुद्दीन-मुहम्मद-अकबर
शाहजहां	शिहाबुद्दीन-मुहम्मद-शाहजहां
औरंगजेब	आलमगीर-औरंगजेब
बहादुर शाह जफर	मोअज्जम
मोहम्मद शाह	रौशन अख्तर

मुगलकालीन विभाग

वजीर	राजस्व विभाग तथा प्रधानमंत्री
मीर बख्सी	सैन्य विभाग
मीर बहर	नौ-सेना तथा जहाज
मुहत्सिव	नैतिक आचरण तथा धार्मिक नीति
रूद्र-उस-सुदूर	धार्मिक विभाग
काजी-उल-कुजात	न्याय विभाग
मुस्ताफो-ए-मुबालिक	लेखा विभाग
दिवाने-खालिसा	खालसा भूमि (सरकारी भूमि)

मुगलकालीन भूमि के प्रकार

(1) **पोजल भूमि**- यहाँ प्रतिवर्ष खेती होती थी। क्योंकि यह सबसे उपजाऊ थी।
(2) **परती भूमि**- यह कम उपजाऊ थी। यहाँ एक या दो वर्ष के अंतराल पर फसल उगती थी।
(3) **छच्चर/चाचर भूमि**- यहाँ तीन से चार वर्ष के अंतराल पर फसल उगती थी।
(4) **बंजर भूमि**- यह सबसे खराब भूमि थी। यहाँ पांच वर्ष या उससे भी अधिक समय के अंतराल पर खेती होती थी।

मुगलकालीन प्रमुख पुस्तक

(1) **तुजुक-ए-बाबरी** - बाबर
(2) **बाबरनामा** - अब्दुल रहीम (खन-ए-खाना)
(3) **हुमायूनामा** - गुलबदन बेगम (बहन)
(4) **अकबरनामा** - अबुल फजल
(5) **तुजुक-ए-जहांगिरी** - जहांगीर + मोतमिद खान
(6) **शाहजहांनामा** - इनायत खान
(7) **तबकात-ए-अकबर** - निजामुद्दीन अहमद
इस पुस्तक में दिल्ली सल्तनत से लेकर मुगलकाल तक का इतिहास है।

मुगलकालीन फारसी में अनुवादित पुस्तक

(1) **महाभारत** - बदायूनी, अबुल फजल, फैजी
(2) **रामायण** - बदायुनी
(3) **अथर्ववेद** - बदायुनी + हाजी इब्राहिम
(4) **लीलावती** - फैजी
(5) **नल-दमयंती** - फैजी
(6) **राजतरंगिणी** - शाहमुहम्मद सहबादी
(7) **उपनिषद्** - दारा-शिकोह
(8) **गीता** - दारा-शिकोह

❖ **मुगल सल्तनत 1526 से 1857 तक रही-**
इसे दो भागों में बाँटते हैं-
(i) उन्नति का काल (1526–1707)
(ii) अवनति का काल (1707–1857)

स्मरणीय तथ्य

- अकबर के शासन काल में इलाहाबाद में चालीस खंभ युक्त मंजिल के निर्माण में पाँच हजार से बीस हजार लोगों द्वारा चालीस साल तक काम करने का वर्णन ब्रिटिश व्यापारी तथा यात्री विलियम फिंच ने किया है।
- ए.एल. श्रीवास्तव ने शाहजहाँ के शासनकाल को स्थापत्य की ख्रष्टि से मुगलकाल का स्वर्णयुग कहा है।
- जब्ती प्रणाली शेरशाह की उपज थी।
- हल्दीघाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप की सेना के सेनापति हकीम खान थे।
- अकबर का बचपन क्रमश: चाचा अस्करी और कामरान के यहाँ बीता। अब्दुल लतीफ ईरानी उसका शिक्षक था।
- बाबर अपने पिता के पक्ष से तैमूर का पाँचवा वंशज तथा मातृ पक्ष की ओर से चंगेज खाँ का चौदहवाँ वंशज था। इस प्रकार उसमें तुर्क मंगोलों के रक्त का सम्मिश्रण था।
- पटना को प्रांतीय राजधानी शेरशाह ने बनाया।
- अकबर को प्रारंभ में मुनीम खाँ फिर बैरम खाँ का सरंक्षण प्राप्त हुआ। सन् 1560 ई. के तिलवाड़ा के युद्ध में बैरम खाँ को पराजित कर अकबर ने उसे मुगल राजनीति से हटा दिया।
- मुगल बादशाह को शिक्षा संबंधी सुधारों के लिये भी जाना जाता है।
- जहाँगीर ने खुसरो की सहायता करने के कारण सिक्खों के 5वें गुरु अर्जुन देव को फाँसी दिलवा दी।
- वी.ए. स्मिथ के अनुसार बाबर अपने समय में एशिया का महान बादशाह था।
- बाबर ने मुस्लिम कानून के नियमों के संग्रह ''मसनबी'' (या मसनबीयों) की रचना की जो कि ''मुबायीन'' के नाम से जाना जाता है।
- तानसेन का मूल नाम रामतनु पाण्डेय था।
- हुमायूँ **दर्शनशास्त्र, ज्योतिषशास्त्र, गणित** आदि विषयों का विद्वान था, वह ज्योतिष पर काफी विश्वास करता था तथा सप्ताह के दिन के अनुसार अलग-अलग रंग के कपड़े पहनता था।
- हुमायूँ ने चुनार दुर्ग पर प्रथम बार आक्रमण 1532 ई. में किया था।
- हुमायूँ द्वारा लड़े गए चार प्रमुख युद्ध कालक्रमानुसार हैं- देवरा, चौसा, कन्नौज और सरहिन्द।
- जहाँगीर ने अपनी पहली पत्नी मानबाई को **'शाह बेगम'** का पद प्रदान किया था, जिसने उसकी शराबखोरी से तंग आकर आत्महत्या कर ली थी।
- जहाँगीर ने सन् 1602 ई. में अपने मित्र वीरसिंह बुंदेला द्वारा **अबुल फजल** की हत्या करवा दी और वीरसिंह बुंदेल को 3000 घुड़सवारों का मनसब प्रदान किया।
- अहमदनगर के गवर्नर **मलिक अंबर** ने दक्षिण भारत में टोडरमल की भू-राजस्व व्यवस्था को अपना तथा भूमि की पैमाइश करवाई और उपज का 1/3 अंश लगान के रूप में वसूला।
- जहाँगीर ने अहमदनगर संधि के फलस्वरूप खुर्रम को शाहजहाँ तथा बीजापुर के शासक को **फर्जन्द (पुत्र)** की उपाधि दी थी।
- दारा शिकोह सूफी संत के कादिरी सिलसिले का अनुयायी था। इतिहासकार लेनपूल ने दारा को **'लघु अकबर'** कहा।
- शाहजहाँ ने 1612 ई. में **आसफ खाँ** की पुत्री अर्जुमन्दबानु बेगम से विवाह किया, जो बाद में **मुमताज महल** के नाम से जानी गई।
- सन् 1700 ई. में औरंगजेब ने आज्ञा दी कि नकद पेशकश को **'नजर'** कहा जाए तथा शाहजादों द्वारा बादशाह को किये उपहार को **नियाज** एवं अमीरों के उपहार को **निसार** कहा जाए।
- मुगल काल में रुपए की सर्वाधिक ढलाई औरंगजेब के समय में हुई, उसने सिक्कों पर कलमा खुदवाना बंद कर दिया था।
- मध्यकालीन भारत में सैनिकों की सुगमता से भर्ती हेतु मनसबदारी व्यवस्था लागू की गई थी।
- सन् 1707 ई. में औरंगजेब की मृत्यु के पश्चात् उसके तीनों पुत्रों मुअज्जम, आजम और कामबख्श में सिंहासन के लिए युद्ध हुआ, जिसमें मुअज्जम विजयी हुआ।
- शाहजादा मुअज्जम बहादुरशाह प्रथम के नाम से सन् 1707 ई. में मुगल बादशाह बना। इसकी लापरवाह नीतियों के कारण लोग उसे **'शाह-ए-बेखर'** कहते थे।
- अंतिम मुगल बादशाह का नाम बहादुरशाह द्वितीय था, उसे 1857 ई. की क्रांति में विद्रोहियों को साथ देने का आरोप लगाकर अंग्रेजों ने गिरफ्तार कर रंगून निर्वासित कर दिया।
- सन् 1862 ई. में बहादुरशाह द्वितीय की मृत्यु के साथ **मुगलवंश** का अंत हो गया। बहादुर शाह का मकबरा रंगून **(वर्मा)** में ही अवस्थित है।
- मुगल प्रशासन में मुख्य काजी से अभिप्राय मुख्य न्यायाधीश से था।
- 1616 ई. में मनेर (पटना) में इब्राहिम खान द्वारा निर्मित मखदूम शाह दौलत का मकबरा, बिहार के मध्यकालीन इतिहास में मुगल स्थापत्य कला का सर्वश्रेष्ठ नमूना है।
- औरंगजेब द्वारा चलाये गये **'जिहाद'** का वास्तविक अर्थ दार-उल-इस्लाम की स्थापना करना था।
- मयूर सिंहासन पर बैठने वाला अंतिम मुगल शासक मुहम्मद शह था।
- मुगल साम्राज्य में जवाबित का संबंध राज्य के कानून से था।
- ईरान के शाह और मुगल शासकों के बीच झगड़े का कारण 'कंधार' को माना जाता है।
- जंतर-मंतर का निर्माण महाराजा जयसिंह ने करवाया था।
- खराज, उश्र और मुक्ताई भूमि उत्पाद पर लगने वाले कर को इंगित करता है।
- कश्मीर घाटी के अंतिम मुस्लिम शासक युसूफ शाह चक, जिन्हें मुगल सम्राट अकबर द्वारा बिहार में निर्वाचित किया गया था, नालंदा में दफन हैं।
- 31 दिसंबर, 1600 ई. को इंग्लैण्ड की महारानी एलिजाबेथ ने 1599 में स्थापित ईस्ट इंडिया कंपनी को पूर्व के साथ व्यापार करने का अधिकार पत्र दिया। इस समय भारत में अकबर का शासन था।
- अली गौहर का बिहार अभियान 1759 ई. में समाप्त हुआ।

One liner Question :–

★ मुगल वंश का संस्थापक कौन था? **–बाबर**
★ 1526 ई. में बाबर ने किस वंश के शासक को परास्त कर मुगल साम्राज्य की नींव डाली? **–लोदी वंश के**
★ पानीपत का प्रथम युद्ध कब हुआ ? **–21 अप्रैल, 1526**
★ भारत में ग्रांड ट्रंक रोड बनवाई थी **–शेरशाह सूरी ने**
★ गुजरात विजय की यादगार में अकबर ने किसका निर्माण कराया था? **–बुलंद दरवाजा**
★ 'आइन-ए-अकबरी' एक महान् ऐतिहासिक कृति किसके द्वारा लिखी गई थी? **–अबुल फजल के**
★ 6 अप्रैल, 1556 को पानीपत की दूसरी लड़ाई किसके बीच हुई थी? **–अकबर और हेमू के**
★ 'दीन-ए-इलाही' नामक नया धर्म किसके द्वारा शुरू किया गया था? **–अकबर के**
★ प्रसिद्ध मुस्लिम शासिका चाँद बीबी, जिसने बरार को अकबर को सौंपा, किस राज्य से सम्बन्धित थी? **–अहमदनगर से**
★ मुगल प्रशासन व्यवस्था में मनसबदारी प्रणाली को किसने प्रारम्भ किया ? **–अकबर ने**
★ अपने काल का महान् संगीतज्ञ तानसेन किसके दरबार में थे? **–अकबर**
★ मुगलकाल की राजभाषा कौन थी? **–फारसी**
★ सती प्रथा की भर्त्सना करने वाला मुगल सम्राट् था **–अकबर**
★ किस युद्ध से भारत में मुगल राज्य की नींव पड़ी ? **–पानीपत का प्रथम युद्ध**
★ मुगल चित्रकारी ने किसके शासनकाल में पराकाष्ठा/चरमोत्कर्ष प्राप्त किया? **–जहाँगीर के**
★ किसने अकबर की जीवन-कथा लिखी थी? **–अबुल फजल ने**
★ किस मुगल शासक ने भारत की वनस्पतियों और प्राणी जगत्, ऋतुओं और फलों का विशद् विवरण अपनी दैनन्दिनी (डायरी) में दिया है? **–बाबर ने**
★ शेरशाह की महानता का द्योतक क्या है? **–प्रशासनिक सुधार**
★ 'हुमायूँनामा' किसने लिखा था? **–गुलबदन बेगम ने**
★ अकबर के शासन में 'महाभारत' का फारसी भाषा में अनुवाद किया गया था, वह किस नाम से जाना जाता है? **–रज्मनामा**
★ किस मुगल सम्राट् ने सै"यद भाइयों को गिराया? **–मुहम्मदशाह ने**
★ कौन अन्तिम मुगल सम्राट् थे? **–बहादुरशाह II**
★ अकबर के शासनकाल में भूराजस्व सुधारों के लिए कौन उत्तरदायी था? **–टोडरमल**
★ अकबर द्वारा बनवाए गए उपासना-भवन/पूजा-गृह का क्या नाम था? **–इबादतखाना**
★ सुप्रसिद्ध संगीतज्ञद्वय तानसेन और बैजू बावरा किसके शासनकाल में सुविख्यात थे? **–अकबर के**
★ 'रामचरितमानस' के लेखक तुलसीदास किसके शासनकाल से सम्बन्धित थे? **–अकबर के**
★ बाबर मूल रूप से कहाँ का शासक था? **–फरगना का**
★ किसने मुगल साम्राज्य की राजधानी को आगरा से दिल्ली स्थानान्तरित की? **–शाहजहाँ ने**
★ अकबर के युवावस्था में उसका संरक्षक था **–बैरम खाँ**
★ किस स्थान पर नादिरशाह ने चढ़ाई नहीं की थी? **–कन्नौज**
★ किसने ऐसे बाग-बगीचे, जिसमें बहता पानी हो, के निर्माण की परम्परा की शुरुआत की थी? **–बाबर ने**
★ राजा बीरबल की उपाधि किसे दी गई थी? **–महेश दास को**
★ औरंगजेब ने ज्यादा भवनों का निर्माण नहीं करवाया क्योंकि **–उसे अपने शासनकाल में निरन्तर युद्ध करने पड़े**
★ किस मुगल शासक का दो बार राज्याभिषेक हुआ ? **–औरंगजेब का**
★ ग्रांड ट्रंक सड़क जोड़ती है **–कोलकाता व अमृतसर को**
★ वर्ष 1526 ई. में लड़ी गई पानीपत की पहली लड़ाई में बाबर से कौन पराजित हुआ था? **–इब्राहिम लोदी**
★ शेरशाह सूरी का मकबरा कहाँ स्थित है? **–सासाराम में**
★ अकबर का राज्याभिषेक कहाँ हुआ था? **–कालानौर में**
★ गुरु अर्जुनदेव समकालीन थे **–जहाँगीर के**
★ किस राजपूत वंश ने अकबर के सामने समर्पण नहीं किया था? **–सिसोदिया वंश ने**
★ किस मुगल शासक को 'आलमगीर' कहा जाता था? **–औरंगजेब को**
★ सम्राट् अकबर द्वारा किसको 'जरीकलम' की उपाधि से अलंकृत किया गया था? **–मोहम्मद हुसैन को**
★ बाबर ने पहली बार पश्चिम से कहाँ होकर भारत में प्रवेश किया? **–पंजाब**
★ हल्दीघाटी का युद्ध कब लड़ा गया? **–1576 ई. में**
★ फैजी किसके दरबार में रहा? **–अकबर के**
★ किसके समय में मलिक मोहम्मद जायसी ने 'पशवत' की रचना की? **–शेरशाह के**
★ किसने चौसा की लड़ाई (1539 ई.) में हुमायूँ को पराजित किया था? **–शेरशाह ने**
★ हुमायूँ का मकबरा कहाँ है? **–दिल्ली में**
★ किस मुगल शासक ने दो बार शासन किया? **–हुमायूँ ने**
★ भारत में बीबी का मकबरा स्थित है **–औरंगाबाद में**
★ फतेहपुर सीकरी स्थित लाल पत्थर से निर्मित शेख सलीम चिश्ती के मकबरे को किसने संगमरमर का करवाया? **–जहाँगीर ने**
★ किस मुगल शासक को पहले आगरा में दफनाया गया बाद में उसकी एक अफगान विधवा शव को काबुल ले गयी और वहीं एक बाग में दफनाया? **–बाबर को**
★ किस युद्ध को जीतने के बाद शेरशाह ने दिल्ली में अफगान सत्ता की स्थापना की ? **–बिलग्राम का युद्ध**
★ शाहजहाँ ने किस शहर में मोती मस्जिद बनवाई थी? **–आगरा में**

BY KHAN SIR (मानचित्र विशेषज्ञ)

★ किस मुगल बादशाह ने जजिया नामक कर पुनः लगाया? **–औरंगजेब**
★ अकबर के शासनकाल में 'अमलगुजार' नामक अधिकारी का कार्य था **–भूमि राजस्व का मूल्यांकन और संग्रह करना**
★ शिवाजी ने मुगलों को किस संधि के द्वारा किलों को हस्तान्तरित किया ? **–पुरंदर की संधि**
★ मुगल प्रशासन में 'मुहतसिब' था **–लोक आचरण अधिकारी**
★ किस वर्ष वैशाखी के दिन 13 अप्रैल को गुरु गोविन्द सिंह ने 'खालसा पंथ' की नींव रखी थी? **–1699 में**
★ कौन-सा मुगल बादशाह पहले तो अंग्रेजों का कैदी रहा और बाद में जीवनपर्यन्त मराठों का पेंशनभोगी रहा ? **–शाहआलम II**
★ दक्षिण में किसके शासन में मुगल साम्राज्य तमिल राज्य-क्षेत्र तक फैला ? **–औरंगजेब के**
★ मुगलकाल में किस बन्दरगाह को बाबुल मक्का (मक्का द्वार) कहा जाता था? **–सूरत को**
★ भारत के इतिहास के संदर्भ में अब्दुल हमीद लाहौरी कौन था? **–शाहजहाँ के शासन का एक राजकीय इतिहासकार**
★ किस मुगल बादशाह की मृत्यु दीनपनाह पुस्तकालय की सीढ़ियों से गिरने के कारण हुई? **–हुमायूँ की**
★ किस मुगल बादशाह के दुर्भाग्य पर व्यंग्य करते हुए लेनपूल ने लिखा है, 'वह जीवन भर ठोकरें खाता रहा और ठोकर खाकर ही उसके जीवन का अंत हुआ'? **–हुमायूँ के**
★ मुगल प्रशासन में 'मदद-ए-माश' इंगित करता है **–विद्वानों को दी जाने वाली राजस्वमुक्त अनुदत्त भूमि**
★ 'दास्तान-ए-अमीर हम्जा' का चित्रंकन किसके द्वारा किया गया? **–अब्दुस् समद द्वारा**
★ किस सुल्तान ने पहले 'हजरत-ए-आला' की उपाधि अपनाई और बाद में सुल्तान की? **–शेरशाह सूरी ने**
★ किस मुगल बादशाह को वजीर गाजीउद्दीन ने दिल्ली में दाखिल नहीं होने दिया? **–शाह आलम द्वितीय को**
★ मसनवी जो बाबर द्वारा मुस्लिम कानून के नियमों का संग्रह है **–मुबायीन**
★ औरंगजेब द्वारा चलाये जिहाद का अर्थ है **–दार-उल-इस्लाम**
★ दिल्ली के लाल किले का निर्माण किसने करवाया था? **–शाहजहाँ ने**
★ किस इतिहासकार ने शाहजहाँ के शासनकाल को मुगलकाल का 'स्वर्णयुग' कहा है? **–ए. एल. श्रीवास्तव ने**
★ पटना को प्रान्तीय राजधानी बनाया था **–शेरशाह ने**
★ मयूर सिंहासन ('तख्त-ए-ताऊस') पर बैठने वाला अन्तिम मुगल बादशाह कौन था? **–मुहम्मद शाह 'रंगीला'**
★ किसमें हिन्द तथा ईरानी वास्तुकला का सर्वप्रथम समन्वय देखने को मिलता है? **–शेरशाह के मकबरे में**
★ शेरशाह के बचपन का नाम था **–फरीद खाँ**
★ शेरशाह को उसके पिता हसन खाँ ने एक जागीर के प्रबंधक के रूप में नियुक्त किया था, वह जागीर थी **–सहसराम/सासाराम**
★ पानीपत के युद्ध में बाबर की जीत का मुख्य कारण क्या था? **–उसकी सैन्य कुशलता**
★ 'जाब्ती प्रणाली' किसकी उपज थी? **–शेरशाह की**
★ 'जवाबित' का सम्बन्ध किससे था? **–राज्य कानून से**
★ ईरान के शाह और मुगल शासकों के बीच झगड़े की जड़ क्या थी? **–कंधार**
★ मुमताज महल का असली नाम था **–अर्जुमन्द बानो बेगम**
★ किस मुगल बादशाह को 'जिन्दा पीर' कहा जाता था? **–औरंगजेब को**
★ अकबर द्वारा बनाई गई कौन-सी इमारत का नक्शा बौद्ध विहार की तरह है? **–पंचमहल**
★ अन्तिम मुगल बादशाह बहादुरशाह जफ़र था। उनके पिता का नाम था **–अकबरशाह II**
★ अकबर ने सर्वप्रथम वैवाहिक सम्बन्ध राजपूतों के जिस गृह से स्थापित किये, वह था **–कछवाहों से**
★ औरंगजेब ने दक्षिण में जिन दो राज्यों को विजित किया था, वे थे **–गोलकुंडा एवं बीजापुर**
★ किस मुगल बादशाह ने अपनी आत्मकथा फारसी में लिखी? **–जहाँगीर**
★ मुगलों ने नवरोज/नौरोज का त्योहार लिया **–पारसियों से**
★ कौन-सा मकबरा 'द्वितीय ताजमहल' कहलाता है? **–राबिया-उद्दौरानी का मकबरा/बीबी का मकबरा**
★ किस बादशाह के अन्तर्गत मुगल सेना में सर्वाधिक हिन्दू सेनापति थे? **–औरंगजेब के**
★ किस इतिहासकार ने अकबर द्वारा प्रतिपादित 'दीन-ए-इलाही' को एक धर्म कहा? **–अबुल फजल ने**
★ 'अनवार-ए-सुहैली' ग्रन्थ किसका अनुवाद है? **–पंचतंत्र का**
★ धरमत का युद्ध (अप्रैल 1658) किनके बीच लड़ा गया ? **–औरंगजेब और दारा शिकोह के**
★ जहाँगीर के दरबार में पक्षियों का सबसे बड़ा चित्रकार था **–मंसूर**
★ किसने मुगलकाल में ऐतिहासिक विवरण लिखा? **–गुलबदन बेगम ने**
★ प्रसिद्ध संगीतज्ञ तानसेन का मकबरा स्थित है **–ग्वालियर में**
★ गुलबदन बेगम पुत्री थी **–बाबर की**
★ मुगल प्रशासन में जिले को किस नाम से जाना जाता था? **–सरकार**
★ किस सिक्ख गुरु की मृत्यु के लिए औरंगजेब जिम्मेदार है? **–गुरु तेग बहादुर**
★ भारत के मुगल शासक बनने पर जहीरुद्दीन मुहम्मद ने क्या नाम रखा? **–बाबर**
★ अकबर के काल में महाभारत का फारसी अनुवाद जिसके निर्देशन में हुआ, वह है –फैज़ी
★ दिल्ली की प्रसिद्ध जामा मस्जिद का निर्माण किसने किया ? **–शाहजहाँ**
★ किस मुसलमान विद्वान् का हिन्दी साहित्य के लिए सबसे महत्वपूर्ण योगदान है? **–अब्दुर्रहीम खानखाना का**

BY KHAN SIR (मानचित्र विशेषज्ञ)

★ अकबर द्वारा बनाई गई श्रेष्ठतम इमारतें पायी जाती हैं **–फतेहपुर सीकरी में**
★ हल्दीघाटी युद्ध (1576) के पीछे अकबर का मुख्य उद्देश्य था **–राणाप्रताप को अपने अधीन लाना**
★ मुगल सम्राट् अकबर के समय का प्रसिद्ध चित्रकार था **–दशवंत**
★ शेरशाह ने 'अशर्फी', 'रुपया', 'दाम' नामक नये सिक्के चलवाए वे जिन धातुओं से बने होते थे, वे हैं **–सोना, चाँदी, ताँबा**
★ अकबर के शासनकाल में पुनर्गठित केन्द्रिक प्रशासन तंत्र के अन्तर्गत सैनिक भाग का प्रमुख था **–मीर बख्शी**
★ किसने अकबर की कब्र को खोदकर उसकी हड्डियों को जला दिया? **–राजाराम ने**
★ अकबर का सबसे अन्तिम विजय अभियान था **–असीरगढ़ विजय**
★ अकबर के 'नवरत्न' में से एक बीरबल किस अभियान के समय मारे गये?**–युसूफजाइयों के विद्रोह को दबाते समय**
★ अकबर ने किसे 'कविराय' / 'कविराज' की उपाधि दी? **–बीरबल को**
★ जहाँगीर के निर्देश पर किसने अबुल फजल की हत्या कर दी? **–वीरसिंह बुंदेला ने**
★ मेवाड़ से युद्ध तथा चित्तौड़ की संधि किसके शासनकाल की महत्वपूर्ण उपलब्धि है? **–जहाँगीर की**
★ अन्तिम रूप से जजिया कर समाप्त करने वाला मुगल बादशाह था **–मुहम्मदशाह 'रंगीला'**
★ 'अकबरनामा' किसने लिखा? **–अबुल फजल ने**
★ एतमाद-उद्-दौला का मकबरा आगरा में किसने बनवाया? **–नूरजहाँ ने**
★ राजपूताना के राज्यों में से किस एक ने अकबर की सम्प्रभुता स्वीकार नहीं की थी? **–मेवाड़ ने**
★ किस मध्यकालीन भारतीय शासक ने 'पटा' एवं 'कबूलियत' की प्रथा आरम्भ की थी? **–शेरशाह ने**
★ मुगल सम्राट् औरंगजेब कौन-सा वाद्य-यंत्र बजाते थे? **–वीणा**
★ जहाँगीर को कहाँ दफनाया गया? **–लाहौर में**
★ प्रसिद्ध जैन आचार्य कौन थे जिनको अकबर ने बहुत सम्मानित किया था? **–हरिविजय सूरी**
★ लंदन में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कम्पनी के गठन के समय भारत का कौन बादशाह था? **–अकबर**
★ शाहजहाँ के काल में कौन यूरोपीय यात्री भारत आया? **–पीटर मुण्डी**
★ अकबर ने 'दीन-ए-इलाही' प्रारम्भ किया **–1582 में**
★ दिल्ली का पुराना किला किसके द्वारा बनवाया गया? **–शेरशाह के**
★ अपने पूर्वजों की उपाधि मिर्जा को त्यागकर बाबर ने कौन-सी उपाधि धारण की? **–पादशाह की**
★ अफगानों की शक्ति को बाबर ने किस युद्ध में कुचला **–घाघरा युद्ध में**
★ बाबर की उदारता के कारण उसे कौन-सी उपाधि दी गई? **–कलन्दर की**
★ बाबर ने युद्ध में किस रण पद्धति को अपनाया? **–तुलगमा**
★ भारत विजय के उपलक्ष्य में बाबर से कोहेनूर हीरा किसे प्राप्त हुआ? **– हुमायूँ को**
★ हुमायूँ से सहायता की याचना हेतु किसने उसे राखी भेजी? **–राजमाता कर्णवती (चित्तौड़) ने**
★ अबुल फजल ने हुमायूँ को क्या कहकर सम्बोधित किया? **–इंसान-ए-कामिल**
★ किस शासक ने स्वयं ही सुल्तान-उल-अदल की उपाधि धारण की थी? **–शेरशाह ने**
★ शेरशाह ने कौन-सा नया सिक्का प्रचलित किया? **–रुपया**
★ सिक्कों पर शेरशाह का नाम और पद किस लिपि में लिखे गए हैं? **–देवनागरी में**
★ शेरशाह द्वारा बनवाई गई 1700 सरायों का प्रबन्ध कौन करता था? **–शिकदार**
★ अकबर की माता का नाम क्या था? **–हमीदा बानू बेगम**
★ अकबर के राजकवि तथा प्रसिद्ध संगीतकार कौन थे? **–तानसेन**
★ अकबर ने मालवा पर विजय कब प्राप्त की? **–1561 ई. में**
★ 1561 ई. में मालवा का शासक कौन था? **–बाज बहादुर**
★ शाहजहाँ का रत्नजड़ित सिंहासन किस नाम से जाना जाता है? **–तख्ते ताऊस**
★ तख्ते ताऊस में कौन-सा हीरा जुड़ा हुआ था? **–कोहेनूर**
★ सिक्कों पर कलमों का लिखा जाना किसने बन्द कराया? **–औरंगजेब ने**
★ मुसलमानों पर लगने वाले किस कर को बाबर ने समाप्त कर दिया? **–तमगा**
★ मुबइयान नामक पद्य शैली का विकास किसने किया था? **–बाबर ने**
★ हुमायूँ जीवन भर लड़खड़ाता रहा और लड़खड़ाते हुए जान दे दी, किसने कहा? **–लेनपूल ने**
★ नुशरत शाह को पराजित करने के पश्चात् शेरखाँ ने कौन-सी उपाधि धारण की? **–हजरतेआला की**
★ शेरशाह के मकबरे को ताजमहल से भी सुन्दर किसने कहा? **–कनिंघम ने**
★ बुद्धिमता और अनुभव में वह दूसरा हैदर था - शेरशाह के बारे में किसने कहा? **–अब्बास खाँ ने**
★ गुजरात विजय की स्मृति में अकबर ने किस इमारत का निर्माण करवाया? **–बुलंद दरवाजा (फतेहपुर सीकरी) का**
★ दक्षिण का प्रवेश द्वार किसे माना जाता है? **–खान देश को**
★ औरंगजेब ने सती प्रथा पर कब प्रतिबन्ध लगाया? **–1663 ई. में**
★ अकबर के शासनकाल में प्रधानमंत्री को किस नाम से जाना जाता था? **–वकील**
★ सैन्य विभाग का मुखिया कौन होता था? **–मीर बख्शी**
★ 40 स्तम्भों वाला एक विशाल किला कहाँ स्थित है? **–इलाहाबाद**
★ मध्यकालीन मुगल शासक मूलत: थे **–चंगतायी तुर्क**

BY KHAN SIR (मानचित्र विशेषज्ञ)

★ बाबर ने अपनी आत्मकथा तुजुक-ए-बाबरी किस भाषा में लिखी थी **–तुर्की भाषा**
★ 1527 ई. का खानवा का युद्ध राणा सांगा के विरूद्ध किसने लड़ा था **–बाबर**
★ बाबर की इब्राहीम लोदी पर विजय का कारण था तोपखाना
★ बाबर ने अपनी आत्मकथा तुजूक-ए-बाबरी किस भाषा में लिखी थी **–तुर्की**
★ कालानौर में राज्याभिषेक के समय अकबर की क्या आयु थी **–चौदह वर्ष**
★ पानीपत का युद्ध हुआ था **–1526 ई. में**
★ मेवाड़ के राजा जिसे खानवा के युद्ध में बाबर ने पराजित किया था **–राणा सांगा**
★ अयोध्या स्थित बाबरी मस्जिद का निर्माण करवाया था **–मीर बाकी ने**
★ शेरशाह सूरी ने शिक्षा प्राप्त की थी **–जौनपुर से**
★ शेरशाह का मकबरा है **–सासाराम**
★ चांदी का सिक्का शुरू किया **–शेरशाह ने**
★ शेरशाह सूरी की मृत्यु हुई **–कालिंजर**
★ दिल्ली में पुराना किला के भवनों का निर्माण किया था **–शेरशाह ने**
★ हुमायूँ ने चुनार दुर्ग पर पहली बार आक्रमण किया **–1532 में**
★ अकबर को बैरम खां के संरक्षण से मुक्ति किस वर्ष मिली **–1660 ई.**
★ 1570 ई. तक लगभग सभी राजपूत राज्यों ने अकबर की अधीनता स्वीकार कर ली थी। परंतु किस एकमात्र राज्य ने उसकी अधीनता नहीं मानी **–मेवाड़**
★ अकबर ने इबादतखाना की स्थापना कहां की थी **–फतेहपुर सीकरी**
★ सुलह-ए-कुल का सिद्धांत प्रतिपादित किया **–अकबर ने**
★ वह मुगल बादशाह जिसके विरुद्ध जौनपुर से फतवा जरी हुआ था –अकबर
★ टोडरमल ने ख्याति अर्जित की थी **–भूराजस्व के क्षेत्र में**
★ अकबरकालीन सैन्य व्यवस्था आधारित थी **–मनसबदारी**
★ अकबर का मकबरा स्थित है **–सिकंदरा में**
★ अकबर द्वारा बनवाई गयी श्रेष्ठतम इमारतें पाई जाति है **–फतेहपुर सीकरी में**
★ शेख मुबारक द्वारा प्रारूपित महजरनाम की घोषणा अकबर ने कब थी **–1579 ई.**
★ दीन-ए-इलाही अथवा तौहीद-ए-इलाही का प्रवर्तन अकबर ने किस वर्ष किया **–1682 ई.**
★ 1601 ई. में किस दक्षिण भारतीय राज्य का मुगल साम्राज्य में विलय कर लिया गया **–खानदेश**
★ 1582 ई. में राजस्व वसूल करने वाले अधिकारियों के लिए अकबर द्वारा जो निर्देश जारी किए गए, उसे क्या कहा जाता है **–दस्तूर अल अमाल**
★ हल्दीघाटी का युद्ध हुआ था **–1576 में**
★ अकबर ने सर्वप्रथम वैवाहिक सम्बन्ध जिस राजपूत गृह से स्थापित किया **–कछवाहों से**
★ अकबर के साथ युद्ध करने वाली दुर्गावती रानी थी **–मंडला अथवा गोंडवाना की**
★ 'दो अस्पा' एवं 'सिह अस्पा' प्रथा शुरू की थी **–जहांगीर ने**
★ मुगलों एवं मेवाड़ के राणा के मधय चित्तौड़ की संधि जिस शासक के शासनकाल में हस्ताक्षरित हुई थी, वह है **–जहांगीर**
★ जहांगीर के दरबार में ब्रिटिश शासक जेम्स प्रथम का राजदूत **–विलियम हॉकिंस**
★ मुगल सम्राट जहांगीर ने इंग्लिश खान की उपाधि दी थी **–विलियम हॉकिंस को**
★ ब्रिटिश राजदूत के रूप में सर थॉमस रो भारत आया था **–जहांगीर के शासनकाल में**
★ इंग्लैंड के जेम्स प्रथम के राजदूत सर थॉमस रो भारत आए थे **–1615 ई. में**
★ जहांगीर ने थॉमस रो को मिलने का अवसर दिया था **–अजमेर में**
★ भारत में इंग्लैंड का वह दूत जो जहांगीर के पीछे अजमेर से मांडू आया **–थॉमस रो**
★ एक डच पर्यटक जिसने जहांगीर के शासनकाल का मूल्यवान विवरण दिया है, वह था **–फ्रांसिस्को पेलसर्ट**
★ वह मुगल शासक जिनका मकबरा भारत में नहीं है **–जहांगीर तथा बाबर लाहौर में**
★ मुगल चित्रकला अपनी पराकाष्ठा पर पहुंची **–जहांगीर के राज्यकाल में**
★ जहांगीर ने नादिर उज-जमां की पदवी दी थी **–अबुल हसन को**
★ वह चित्रकार जिसे नादिर-उल-असर की उपाधि प्रदान की गई **–मंसूर**
★ जहांगीर के दरबार में पक्षियों का सबसे बड़ा चित्रकार था **–मंसूर**
★ बाबर, अकबर जहांगीर तथा औरंगजेब मुगल बादशाहों में वह जिसने अपनी आत्मकथा फारसी में लिखी **–जहांगीर**
★ अबुल फजल के हत्यारे को पुरस्कृत किया था**–जहांगीर ने**
★ जहांगीर के विरुद्ध विद्रोह किया था **–खुर्रम, महाबत खां एवं खुसरो ने**
★ खुसरो जिस मुगल बादशाह का पुत्र था, वह है **–जहांगीर**
★ जहांगीर, गियास बेग, आसफ खां, खुर्रम में से वह जो नूरजहां के गुट का सदस्य नहीं था **–खुर्रम**
★ ऐतमादुद्दौला का मकबरा आगरा में बनवाया था **–नूरजहां ने**
★ गोविंद महत, जो हिंदू वास्तुकता का अप्रतिम उदाहरण है, स्थित है **–दतिया में**
★ अकबर का मकबरा स्थित है **–सिकंदरा**
★ जहांगीर का मकबरा **–शाहदरा**
★ शेख सलीम चिश्ती का मकबरा **–फतेहपुर सीकरी**

BY KHAN SIR (मानचित्र विशेषज्ञ)

★ शेख निजामुद्दीन औलिया का मकबरा **–दिल्ली।**
★ ईरान के शाह और मुगल शासकों के बीच झगड़े की जड़ थी **–कंधार**
★ कंधार के निकल जाने से मुगल साम्राज्य को एक बड़ा धक्का पहुंचा **–सामरिक महत्व के केंद्र के दृष्टिकोण से**
★ शाहजहाँ के बल्ख अभियान का उद्देश्य था **–काबुल की सीमा से सटे वत्स और बदख्शां में एक मित्र शासक को लाना**
★ वह जिसने बनारस एवं इलाहाबाद के तीर्थयात्रा कर की समाप्ति के लिए मुगल बादशाह के सामने बनारस के पंडितों का नेतृत्व किया था **–कवींद्राचार्य**
★ कलीम, काशी कुदसी तथा मुनीर में से वह जो शाहजहां के शासनकाल का राजकवि था **–कलीम**
★ मुमताज महल का असली नाम था **–अर्जुमंद बानो बेगम**
★ हिंदू तथा ईरानी वास्तुकला का सर्वप्रथम समन्वय हमें देखने को मिलता **–ताजमहल में**
★ वह मुगल बादशाह जिसने दिल्ली की जामा मस्जिद का निर्माण करवाया **–शाहजहाँ**
★ अकबर, जहांगीर, शाहजहां तथा औरंगजेब में से वह जिसने साम्राज्य की राजधानी आगरा से दिल्ली स्थानांतरित की **–शाहजहां**
★ उपनिषदों का फारसी में अनुवाद जिस मुगल सम्राट के शासनकाल में हुआ, वह है **–शाहजहां**
★ शाहजहां ने 'शाह बुलंद इकबाल' की पदवी दी थी **–दारा शिकोह को**
★ दारा शिकोह ने उपनिषदों का फारसी में अनुवाद किया था **–सिर्र-ए-अकबर शीर्षक के अंतर्गत**
★ अमीर खुसरो, दारा शिकोह, अमीर हसन एवं शुजा में से हिंदू धर्मग्रंथों का अध्ययन करने वाला प्रथम मुस्लिम था **–दारा शिकोह**
★ वी. ए. स्मिथ, जे. एन. सरकार तथा ए. एल श्रीवास्तव में वह इतिहासकार जिसने शाहजहां के शासनकाल को मुगलकाल का स्वर्ण युग कहा है **–ए. एल. श्रीवास्तव**
★ सुप्रसिद्ध कोहिनूर हीरा शाहजहां को उपहार में दिया था **–मीर जुमला ने**
★ वह मुगल बादशाह जिसने बलबन द्वारा प्रारंभ किया गया दरबारी रिवाज 'सिजदा' समाप्त कर दिया था **–शाहजहां**
★ दारा शिकोह, मुराद बख्श, शाह शुजा तथा औरंगजेब में से वह जो शाहजहाँ के शासनकाल में अधिकांश समय तक दक्कन का गवर्नर रहा था **–औरंगजेब**
★ जहांगीर के पुत्र खुसरो की हत्या 1622 ई. में किसने कर दी **–खुर्रम**
★ नूरजहां ने अपने प्रभाव से खुद पादशाह बेगम की उपाधि ली और अपने पिता को एतमाद उद-दौला की उपाधि प्रदान करवायी उसके पिता का नाम क्या था **–मिर्जा गयास बेग**
★ कैप्टन हॉकिन्स और सर थॉमस रो ने किस मुगल शासक के संबंध में विस्तृत चर्चा की है **–जहांगीर**
★ जहांगीर की मृत्यु के बाद नूरजहां ने किसे मुगल सम्राट घोषित किया **–शहरयार**
★ शाहजहां किस वर्ष मुगल साम्राज्य का शासक नियुक्त हुआ **–1628 ई.**
★ किस शासक के शासन काल को मुगल साम्राज्य का स्वर्ण युग माना जाता है **–शाहजहां**
★ नवें सिख गुरु- गुरु तेग बहादुर की गिरफ्तारी और मृत्युदण्ड का आदेश औरंगजेब ने किस वर्ष जारी किया **–1675 ई.**
★ औरंगजेब के आदेश पर धार्मिक प्रधानों द्वारा निर्मित न्याय संहिता को किस नाम से जाना जाता है **–फतवा-ए-आलमगीरी**
★ सम्राट के बाद मुगल साम्राज्य में सर्वोच्च न्यायाधिकारी कौन होता था **–काजी-उल-कुजात**
★ मुगल काल में प्रचलित लाल-ए-जलाली क्या था **–सिक्का**
★ मुगल काल में मीर-ए-बहरी किस सेना का प्रमुख होता था **–नौसैनिक बेड़ा**
★ मुगल काल में वास्तविक कृषि उत्पाद या फसल में राज्य के अंश को क्या कहा जाता था **–माल या खराज**
★ टोडरमल ने किस हैसियत से मुगल काल में दहसाला प्रणाली का सूत्रपात किया**–राजस्व मंत्रालय का प्रमुख (विजारत)**
★ मुगल काल में देशमुख, पाटिल, नायक आदि किस वर्ग में आते थे **–जमींदार वर्ग**
★ जमींदारों को कुछ ग्रामों से भू-राजस्व वसूल करने का वंशानुगत अधिकार दिया जाता था। इस प्रक्रिया को क्या कहा जाता था **–तालुका या जमींदारी**
★ मुगल काल में विभिन्न क्षेत्रों की फसलों की नकदी भू-राजस्व अनुसूची तैयार की गई थी उसे क्या कहा जाता था **–दस्तूरूल अमल**
★ मस्जिद-ए-जहानामा कहां स्थित है **–आगरा**
★ जहांगीर ने नादिर-उल अस्र की उपाधि किस चित्रकार को प्रदान की थी **–उस्ताद मंसूर**
★ मुगल प्रशासन के दौरान जिले को जाना जाता था **–सरकार नाम से**
★ मुगलकाल में सेना का प्रधान था **–मीर बख्शी**
★ मुगल प्रशासन में मुहतासिब था **–लोक आचरण अधिकारी**
★ मुगलकालीन भारत में राज्य की आय का प्रमुख स्रोत था **–भू-राजस्व**
★ वह मुगल सम्राट जिसने तम्बाकू के प्रयोग पर निषेध लगाया था **–जहांगीर**
★ मुगल शासन में ताम्बे का सिक्का कहलाता था **–दाम**
★ मुगल प्रशासनिक शब्दावली में माल प्रतिनिधित्व करता है **–भू राजस्व का**
★ चित्रकला की मुगल शैली का प्रारंभ किया था **–हुमायूं ने**
★ तानसेन का मकबरा स्थित है **–आगरा**
★ तानसेन का मूल नाम था **–रामतनु पाण्डेय**
★ प्रातः काल में गाया जानेवाला राग है **–तोड़ी**

BY KHAN SIR (मानचित्र विशेषज्ञ)